सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

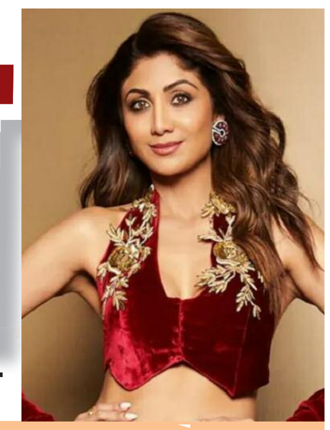

दीप्ति ने पहले वनडे में भारत को दिलाई जीत, इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट से जीता मैच.. -पेज: 7

शिल्पा शेट्टी का मॉलीवुड में काम ना करने की वजह का खुलासा... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 99 | शुक्रवार 18 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना ने प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर जोर दिया है : राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को नई दिल्ली में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित एक समारोह में स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कहा, हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना ने प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर जोर दिया है। अपने घरों, पूजा स्थलों और आस-पास को साफ रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग थी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहा करते थे, स्वच्छता ईश्वर भक्ति के बाद आती है। वे स्वच्छता को धर्म, आध्यात्मिकता और नागरिक जीवन की आधारशिला मानते थे। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि उन्होंने जनसेवा की अपनी यात्रा स्वच्छता से जुड़े कार्यों से शुरू की थी। अधिसूचित क्षेत्र परिषद की उपाध्यक्ष के रूप में द्रौपदी मुर्मु प्रतिदिन वार्डों का दौरा करती थीं और स्वच्छता कार्य की निगरानी करती थीं। वहीं, समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण हमारे शहरों द्वारा स्वच्छता के प्रयासों का आकलन और

द्रौपदी मुर्मु ने स्कूल स्तर पर आकलन पहल की सराहना की, जिसका उद्देश्य है कि विद्यार्थी स्वच्छता को एक जीवन-मूल्य के रूप में अपनाएं। उन्होंने कहा कि इससे बहुत लाभकारी और दूरगामी परिणाम होंगे।

प्रोत्साहन करने में एक सफल प्रयोग साबित हुआ है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न हितधारकों, राज्य सरकारों, शहरी निकायों और लगभग 14 करोड़ नागरिकों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करके और उन्हें उसी उद्देश्य या अन्य उद्देश्य के लिए पुनः उपयोग करके अपशिष्ट को कम करना हमेशा हमारी जीवनशैली का हिस्सा रहा है। चक्रीय अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांत और कम उपयोग करें- पुनः उपयोग करें पुनर्चक्रण की प्रणालियां हमारी प्राचीन जीवनशैली के आधुनिक और व्यापक रूप हैं। उदाहरण के लिए, आदिवासी समुदायों की पारंपरिक जीवनशैली सरल है। वे कम संसाधनों का उपयोग करते हैं और मौसम तथा पर्यावरण के साथ तालमेल बिठाते हैं और अन्य समुदाय के सदस्यों के साथ साझेदारी में रहते हैं। वे प्राकृतिक संसाधनों को बर्बाद नहीं करते हैं। इस तरह के व्यवहार और परंपराओं को अपनाकर चक्रीयता की आधुनिक प्रणालियों को मजबूत किया जा सकता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने आगे कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन मूल्य श्रृंखला में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम स्रोत पृथक्करण है। सभी हितधारकों और प्रत्येक परिवार को इस पर सबसे ध्यान देना चाहिए। शून्य-अपशिष्ट कालोनियां अच्छे उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। द्रौपदी मुर्मु ने स्कूल स्तर पर आकलन पहल की सराहना की, जिसका उद्देश्य है कि विद्यार्थी स्वच्छता को एक जीवन-मूल्य के रूप में अपनाएं। उन्होंने कहा कि इससे बहुत लाभकारी और दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को नियंत्रित करना और उनसे उत्पन्न प्रदूषण को रोकना एक बड़ी चुनौती है। उचित प्रयासों से हम देश के प्लास्टिक उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी ला सकते हैं। केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में एकल-उपयोग प्लास्टिक युक्त कुछ वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया। उसी वर्ष, सरकार ने प्लास्टिक पैकेजिंग के लिए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व हेतु दिशा-निर्देश जारी किए।

बिहार तक पहुंची फ्री बिजली की स्कीम, चुनाव से पहले नीतीश का बड़ा दांव, 125 यूनिट फ्री देने का ऐलान

बिहार (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को सभी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 125 यूनिट तक मुफ़्त बिजली देने की घोषणा की। यह घोषणा इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले की गई है। यह राज्य में इस तरह का पहला और चुनावों से पहले की गई रियायतों की श्रृंखला में नवीनतम कदम है। नीतीश ने एक्स पर लिखा कि हमलोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 1 अगस्त, 2025 से यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। सीएम ने आगे लिखा कि इससे राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा। हमने यह भी तय किया है कि अगले तीन वर्षों में इन सभी घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनके घर की छतों पर अथवा नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुटीर ज्योति योजना के तहत जो अत्यंत निर्धन परिवार होंगे उनके लिए

सुबह नीतीश के सम्मान में पढ़े कसीदे, दोपहर होते-होते चिराग ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

पटना (एजेंसी): सुबह में 125 यूनिट बिजली मुफ्त की खबर सुनते ही चिराग पासवान नीतीश की बड़ाई करने लगे और कहा कि मैं और मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस ऐतिहासिक फैसले का हार्दिक स्वागत करती है। बताते चले कि बिहार सरकार द्वारा 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का निर्णय गरीब एवं मध्यम वर्ग के लिए बड़ी राहत है। साथ ही अगले तीन वर्षों में इन सभी घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनके घर की छतों पर अथवा नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जाएगा। डबल इंजन की सरकार डबल इंजन की एनडीए सरकार गरीबों के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए

भी ठोस कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री जी का हर घर सौर ऊर्जा का सपना और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हर घर रोशनका संकल्प, दोनों मिलकर बिहार को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। चिंता का विषयः चिराग वहीं पारस अस्पताल में हत्या के बाद चिराग पासवान के बोल ही बदल गए उन्होने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था आज एक गंभीर चिंता का विषय बन गई है। प्रतिदिन हत्याएं हो रही है , अपराधियों का मनोबल आसमान पर है। पुलिस - प्रशासन की कार्यशैली समझ से परे है। कानून-प्रशासन को चुनौती आज पटना के रिहायशी इलाके में स्थित पारस अस्पताल के अंदर घुसकर

पारस अस्पताल में हत्या के बाद चिराग पासवान के बोल ही बदल गए उन्होने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था आज एक गंभीर चिंता का विषय बन गई है।

अपराधियों द्वारा सरेआम गोलीबारी की घटना इस बात का प्रमाण है कि अपराधी अब कानून और प्रशासन को सीधी चुनौती दे रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बढ़ते अपराधिक मामले चिंताजनक है। उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए ठोस और कड़े कदम उठाएगा।

सिद्धारमैया ने दी भाजपा को सलाह, दलित नेता को प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराधिकारी घोषित करने का बढ़िया मौका

नई दिल्ली (एजेंसी): मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को भाजपा को सुझाव दिया कि अब उसके पास अगले प्रधानमंत्री के रूप में एक दलित नेता को नामित करने का सुनहरा मौका है क्योंकि नरेंद्र मोदी 75 वर्ष के हो गए हैं और आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री के राजनीतिक संन्यास का संकेत दिया है। सिद्धारमैया ने कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र को संबोधित एक मीडिया बयान में कहा कि उन्हें कांग्रेस पर समय बर्बाद करने के बजाय अपनी पार्टी पर विचार करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल की शुरूआत आप खुद से करें। दूसरों को उपदेश देने के बजाय, आप भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में किसी दलित

नेता का नाम क्यों नहीं सुझाते? चाहे वह गोविंद करजोल हों या चलवाडी नारायणस्वामी, अगर आप उनके नाम प्रस्तावित करते हैं, तो मैं आपको सबसे पहले बधाई दूँगा। करजोल और नारायणस्वामी अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले भाजपा नेता हैं। मुख्यमंत्री ने विजयेंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जिस कुर्सी पर बैठे हैं, उसकी स्थिरता भी सुरक्षित नहीं रख पा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस को यह सलाह देने की हिम्मत दिखा रहे हैं कि हमारा प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह न केवल उनकी अज्ञानता और आत्म-प्रवंचना का प्रदर्शन है, बल्कि उनके अहंकारी अधिकार का भी प्रदर्शन है। अगर विजयेंद्र को पढ़ने की जरा भी आदत है, तो उन्हें इतिहास से परिचित होना चाहिए कि भाजपा ने इस देश के पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों के साथ कैसा व्यवहार किया है। उन्हें बंगारू लक्ष्मण के शर्मनाक प्रकरण पर विचार करना चाहिए, एक दलित नेता जिन्हें भाजपा ने पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष सिर्फ.इसलिए बनाया ताकि उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर उन्हें बदनाम किया जा सके और जेल भेजा जा सके, एक ऐसा अपमान जिसके कारण अंततः उनकी मृत्यु हो गई।

अमित शाह बोले- भारत के साथ विश्वासघात करने वालों को भुगतना पड़ेगा परिणाम

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया को अब स्पष्ट संदेश मिल चुका है कि किसी को भी भारत, उसकी सीमाओं या उसकी सेनाओं से विश्वासघात नहीं करना चाहिए और जो ऐसा करेंगे, उनको परिणाम भुगतने होंगे। अमित शाह ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी शिविरों को नष्ट करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का संदर्भ देते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को सुरक्षित करने का सबसे बड़ा कार्य किया है। कांग्रेस के शासनकाल में देश में लगभग हर दिन आतंकी हमले होते थे। उन्होंने आगे कहा कि अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, पहले उरी में हमला हुआ तो मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक की। पुलवामा में हमला हुआ तो एयर स्ट्राइक की और पहलगाम में (आतंकियों ने) हमला किया तो ऑपरेशन सिंदूर चलाया तथा

पाकिस्तान में जाकर आतंकवादियों के परखच्चे उड़ा दिए और एक मजबूत संदेश पूरी दुनिया को दिया है कि भारत के नागरिक, भारत की सेना और भारत की सीमा... इसके साथ छेड़खानी नहीं करना चाहिए वरना नतीजे भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने कहा, मोदी जी ने यह संदेश देकर एक समृद्ध, सुरक्षित और विकसित भारत के स्वप्न को सच्चाई में बदलने का, जमीन पर उतारने का काम किया है। गृह मंत्रालय के साथ-साथ सहकारिता मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रहे शाह अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अवसर पर जयपुर के दादिया गांव में सहकार एवं रोजगार उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी 100 वर्ष सहकारिता के हैं। उन्होंने कहा कि देश के हर गांव, गरीब और किसान तक सहकारी आंदोलन को पहुंचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की है।

ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी ड्रोन और काउंटर ड्रोन सिस्टम ने किया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा प्रमुख (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) जनरल अनिल चौहान ने स्वदेशी मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) और काउंटर-मानवरहित विमान प्रणालियों (सी-यूएएस) की ऑपरेशनल इफेक्टिवनेस और रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए, इन प्रौद्योगिकियों में पूर्ण आत्मनिर्भरता की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने 16 जुलाई, 2025 को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में यूएवी और सी-यूएएस के महत्वपूर्ण घटकों के स्वदेशीकरण पर आयोजित कार्यशाला और प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद अपने मुख्य भाषण में यह बात कही। जनरल चौहान ने कहा कि विदेशी प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता भारत की दीर्घकालिक तत्परता को कमजोर करती है, स्केलेबिलिटी को सीमित करती है और निरंतर अभियानों में कमजोरियां पैदा करती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि हमारे इलाकों और मिशनों के लिए तैयार स्वदेशी काउंटर-यूएएस प्रणालियां अपरिहार्य

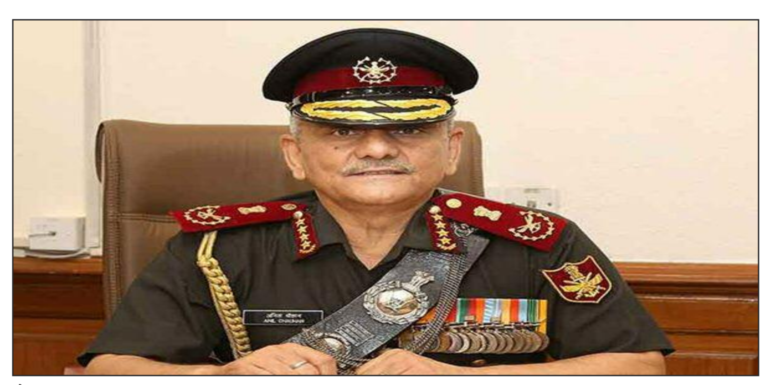

हैं। जब हम घरेलू स्तर पर डिजाइन, निर्माण और नवाचार कर सकते हैं, तो हमें अपनी आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं के लिए विदेशी प्रौद्योगिकियों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। युद्ध के बदलते स्वरूप पर दिया जोर जनरल चौहान ने कहा कि ड्रोन युद्ध युद्धक्षेत्र में क्रांति ला रहा है, जिसके लिए नई रणनीतियों, क्षमताओं और जवाबी उपायों की जरूरत है। उन्होंने ड्रोनों को अत्यधिक विघटनकारी बताते हुए सैन्य योजनाकारों से पारंपरिक सोच से आगे बढ़ने का आग्रह किया। काउंटर-यूएएस ग्रिड की जरूरत उन्होंने रडार, सेंसर, जैमर और डायरेक्टेड एनर्जी हथियारों को एकीकृत करने वाली एक व्यापक काउंटर-यूएएस प्रणाली की आवश्यकता पर भी बल दिया। ऐसी प्रणालियों को मजबूत कमांड और कंट्रोल सिस्टम और अंतर-एजेंसी समन्वय द्वारा समर्थित होना चाहिए, खासकर विवादित निचले हवाई क्षेत्र में। डिफेंस इनोवेशन में सुधार के लिए प्राथमिकताएं रक्षा नवाचार में तत्काल सुधारों का आान करते हुए, जनरल अनिल चौहान ने निम्नलिखित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का प्रस्ताव रखाङ्ख अगली पीढ़ी के मानवरहित सिस्टम के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाना। मॉड्यूलर और उन्नयन योग्य सिस्टम आर्किटेक्चर। स्टार्टअप और डीआरडीओ के लिए समर्पित परीक्षण सुविधाएं। स्टील्थ यूएवी, मैनड-अनमैनड टीमिंग (एमयूएम-टी), स्वार्म ड्रोन, ड्रोन कैरियर, एआई एकीकरण और डायरेक्टेड एनर्जी हथियारों का विकास। रणनीतिक दृष्टिकोण यह पहल भारत के उन्नत, सुरक्षित और लचीले सैन्य प्रौद्योगिकियों का वैश्विक केंद्र बनने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को मजबूत करती है, जिससे भविष्य के संघर्षों में परिचालन श्रेष्ठता सुनिश्चित होगी।

अंडमान सागर में गुयाना के आकार के कई तेल क्षेत्र मिलने की उम्मीद : हरदीप पुरी

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत में शुरू हो रहे हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन के नए दौर में गुयाना के आकार के कई बड़े तेल क्षेत्र मिलेंगे। केंद्रीय मंत्री ने ऊर्जा वार्ता 2025 कार्यक्रम के दौरान कहा, हम ओएएलपी (ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी) राउंड-10 के तहत 2,00,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में अधिक हाइड्रोकार्बन की खुदाई और एक्सप्लोर करेंगे। हमारा लक्ष्य 2025 तक एक्सप्लोरेशन सेक्टर को 5 लाख वर्ग किलोमीटर और 2030 तक 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाना है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमें गुयाना के आकार के कई क्षेत्र खासकर अंडमान सागर में मिलेंगे। हरदीप पुरी ने कहा, हम एक्सप्लोरर्स के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले डेटा की उपलब्धता, वित्तीय प्रोत्साहन, स्थिर नियामक ढांचे, निवेश को जोखिम-मुक्त बनाने और ईज-ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे क्षेत्रों पर काम कर रहे हैं ताकि भारत को ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन और प्रोडक्शन (ईएंडपी) के लिए अगला वैश्विक अग्रणी बनाया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि ऊर्जा वार्ता 2025 में आयोजित मंच मंत्री का

कार्यक्रम में उनकी उत्साहवर्धक बातचीत हुई। यह भारत के ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुखों, पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों, ऊर्जा पेशेवरों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक और गतिशील नेतृत्व में ऊर्जा सुरक्षा और हरित ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में भारत की यात्रा के हितधारकों का एक अनूठा सम्मेलन था। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद, भारत ने ऊर्जा को लेकर तीन बड़ी चुनौतियों उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता का सफलत ापूर्वक सामना किया है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताया कि देश के नागरिकों की ऊर्जा जरूरतें सरकार की प्राथमिकता बनी हुई हैं और जिन देशों से तेल और गैस का आयात किया जाता है, उनका दायरा भी विस्तृत हो गया है। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया, एचईएलपी जैसे दूरदर्शी सुधारों के साथ, लगभग दस लाख वर्ग किलोमीटर के अब तक के नो ओपन एरिया को ओपन किया जा रहा है और ऑयलफिल्ड्स रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट (ओ आरडी) अधिनियम में संशोधन किए जा रहे हैं। भारत नए क्षेत्रों की खोज करक घरेलू हाइड्रोकार्बन उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयासों के दौर से गुजर रहा है। इस आयोजन में विभिन्न राज्यों के ऊर्जा मंत्री, शीर्ष सरकारी अधिकारी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के उद्योग जगत के दिग्गज शामिल हुए। ऊर्जा वार्ता 2025 का उद्देश्य भारत के ऊर्जा परिदृश्य के भविष्य को आकार देने और ऊर्जा क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन के प्रति देश की प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनना है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताया कि देश के नागरिकों की ऊर्जा जरूरतें सरकार की प्राथमिकता बनी हुई हैं और जिन देशों से तेल और गैस का आयात किया जाता है, उनका दायरा भी विस्तृत हो गया है।

संपादकीय

निशाना आतंकवाद पर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद, अलगाववाद व उग्रवाद की चुनौती से सख्ती से निपटने के उद्देश्यों पर अडिग रहने का आह्वान करते हुए कहा, भारत आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। वह बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नृशंस आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने इन तीनों चुनौतियों के अक्सर साथ आने की बात भी की। आतंकियों, प्रायोजकों, आयोजकों व वित्त पोषकों को जवाबदेह बनाने तथा न्याय के कठघरे में लाने की जरूरत पर भी बल दिया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बल दिया कि अशांत और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर संगठन को कुशलतापूर्वक कार्य करना होगा। शी ने क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता की रक्षा व सदस्य देशों के विकास की बात भी की। इस सम्मेलन में दस अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के अतिरिक्त बीस से ज्यादा देशों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है जिनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के भाग लेने की भी चर्चा थी। मोदी इसमें शामिल होते हैं तो इसे गलवान गतिरोध के बाद भारत-चीन संबंधों में संभावित परस्परता, संबंधों में सुधार व कूटनीतिक नरमी के संकेत के रूप में लिया जा सकता है। 2023 में मोदी ने इस सम्मेलन में वचरुली शिरकत की थी जबकि बीते वर्ष उनकी अनुपस्थिति को घटते सामरिक महत्व से जोड़ कर देखा गया। हालांकि रूस कभी नहीं चाहता कि ऐसा कोई भी संगठन चीन के प्रभुत्व वाला मंच बन जाए। इसमें पाकिस्तानी, रूसी व ईरानी विदेश मंत्री के भी शामिल होने की संभावनाएं हैं। यह भारत, चीन, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान व बेलारूस का प्रभावशाली आर्थिक व सुरक्षा समूह है। अमेरिका से सीधा दो-दो हाथ करने वाले शी ने परोक्ष रूप से उस पर कटाक्ष करते हुए बहुध्रुवीय वि को बढ़ावा देने व उसकी धौंस का विरोध करने के लिए संयुक्त प्रयासों का भी आह्वान किया। बेशक, भू-राजनीतिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए रूस व चीन दुनिया के समक्ष अपनी ताकत का मुजाहिरा करने को बेताब हैं। एशिया के सभी प्रमुख देशों को अपनी प्राथमिकताओं का ख्याल रखते हुए आतंकवाद से जूझना है। अमेरिका विरोधी रुखखासकर पश्चिमी देशों को सीधा टक्कर देने वाला रुख भारत का कभी नहीं रहा है। भारत आतंकवाद से निपटने को चुनौती के तौर पर देख रहा है, मगर वह अपनी वैंकि छवि व कूटनीतिक चुनौतियों पर आंच नहीं आने देना चाहेगा।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं।

बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत माता का दुश्मन है चीन जिससे पास जाना देशहित में नहीं है

संजय गोस्वामी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में सोमवार 15 जुलाई को 5साल बाद जाना देश के लिए शर्म की बात है चीन में रहते हुए, जयशंकर मंगलवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने से देश के प्रति स्नेह नहीं व्यापार हेतु जाना ठीक नहीं था उन्होंने ऐ भी कहा कि पिछले नौ महीनों में भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में अच्छी प्रगति हुई है, और उन्होंने सीमा पर तनाव के समाधान का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। हालाँकि, उन्होंने सीमा से जुड़े अन्य पहलुओं, जिनमें तनाव कम करना भी शामिल है, पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पाकिस्तान का ही नहीं बल्कि अब दूसरा दुश्मन देश बांग्लादेश का भी मित्र देश है चीन भारत का दोस्त नहीं दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर में खुल कर पाकिस्तान को घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत को नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर में आतंकवादी को भेज रहा है और इन आतंकवादी को चीन हीं हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत को वहीँ जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात को दशार्ता है कि आपकी नहीँ सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करोड़ देशवासियों का देश है और भारत किसी का गुलाम ल्त्नँ है कि वो सिखायेगा कि भारत को क्या करना है भारत के सैनिको मेँ जबरदस्त जोश है और किसी भी स्थिति से लड़ने को तैयार है और टेक्नोलॉजी में भी किसी देश से कम नहीं है ये॰ङ्क अमेरिका का बी -2 बमर है उसका डिजाइन भी भारतीय ने किया है ये अलग बात है टेक्नोलॉजी दूसरे देश को देने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया अमेरिका में जितने युद्ध के हथियार है अधिकतर को हमारे देश के वैज्ञानिक के द्वारा दि गई तकनीक है क्योंकि जो यहाँ टैलेंटेड होते हैं वो अमेरिका चले जाते हैं और भारत के लोग भी इसे बहुत अच्छा मामते है कि देखो वो अमेरिका में खुब पैसा कमा रहा है अब इस सोच से बाहर निकलना होगा क्योंकि अब जिस तरह युद्ध हो रहे हैं उसमें दूसरे देश कूद जाते हैं और अपनी दादागिरी दिखाते हैं ये बात अब इजराइल को भी समझ आ गई होगी और रूस यूकेन का युद्ध भी नाटो बनाम रूस हो गया और रूस का उन देशों के प्रति कहीं ना कहीं समर्थन है जिससे युद्ध जिस उद्देश्य के लिए हो रहा है वो समझ में ही नहीं आता आखिर जीता क्यों लेकिन 9/11 हमले में दो वर्ड ट्रेड सेंटर को अलकायदा ने निशाना बनाया तो अमेरिका ने उसपर एक तरह से कब्जा ही कर लिया था बाद में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन ने बापस बुलाया यही नहीं इराक उसका मजाक उड़ाया तो उसका क्या हाल हुआ वो सबको मालूम है अमेरिका ने ईरान ने इजराइल के कहने से ज्यादा वहाँ के अन्य मुस्लिम देशों ने अमेरिका को अच्छी खासी रकम दि है जिससे ट्रम्प ने बी -2 बमवर्षक विमान से ईरान के तीनो परमाणु ठीकानो को पूरी तरह बर्बाद कर दिया और अब ईरान का बम बनाने का सपना अधूरा रह गया खबर में कुछ भी बता देते हैं लेकिन उसमें हकीकत नहीं रहता अगर ईरान ने भारी मात्रा में यूरेनियम को वहाँ से हटा दिए है तो वो किस काम का है 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और 90 परसेंट करने में कम से कम 5साल लगेंगे ये दूसरे बम जैसा नहीं है कि जब चाहे बना लिए उसमें रेडियो। परमाणु हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक संवर्धित करने की आवश्यकता है अतः ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अमेरिका डील कर रहा अब उसे इजराइल से कोई मतलब नहीं रहा यही बात अब दूसरे देश को भी सिखने की जरुरत है यदि आपके पास अपना सामर्थ है तो युद्ध करो बरना आपस में समझौता कर लो हकीकत ये है कि भारत द डेली टेलीग्राफ और अन्य स्त्रोतों के अनुसार, चीन ने मई और जून 2020 के बीच भारतीय गश्त वाले 60 वर्ग किलोमीटर (23 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पाक अधिकृत काश्मीर में अपना नेटवर्क बना रहा है और चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था. ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है.चीन ने केवल भारत को ही नहीं परेशान कर रहा है बल्कि तिब्बत को भी कब्जे में लिया और उनके धर्म गुरु दलाई लामा भारत में हैं और तिब्बत का यहाँ एक अस्थाई सरकार भी धर्मशाला में है जिसे तिब्बत का अस्थाई सरकार धर्मशाला में है और जिसे तिब्बत सेंट्रल एडमिन्सटर कहते हैं और ये सभी भगवान बुद्ध को मानने वाले शांति प्रिय लोग है यहाँ उनके सारे मंत्रालय भी हैं जिसमें रक्षा नहीं है क्योंकि ये भारत के हिस्से में है ये 1956 से भारत में पंडित नेहरू के कहने पर बड़ी संख्या में अपने धर्म गुरू दलाई लामा के साथ भारत आए थे जब तिब्बत ने 16 बिंदु के करार को न मान कर तिब्बत को अपने कब्जे में ले लिया जो चीन की बाहबाही करते है जरा सा अपने वीर योद्धा पर भी ध्यान दें सियाचिन का गलेशियर जो भारत को पाकिस्तान और चीन द्वारा की जाने वाली घुसपैठ को रोकने में मदद करता है.वहाँ का तापमान -30 डिग्री में अपने जवान किस तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं और जिंदगी में क्या पाया भारत माता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था. ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है.इसलिए जहाँ देखें चीन की धरती है वहाँ कदम भी रखना देश के लिए ठीक नहीं है क्योंकि वहाँ वो आखिर आपकी क्या सुनेगा और खून का घुट पी कर आना पड़ेगा भारत स्वतंत्र देश है हम क्या ले क्या पहने ये मेरा अधिकार है चीन से तो बना हुआ कोई समान मैं तो नहीं लेता हूँ यहाँ तक की चाइनीज फूड भी क्योंकि देश सर्वोपरि है हमारी टेक्नोलॉजी उससे बेहतर है तभी तो केरल में जासूसी करने आए एक ब्रिटिश विमान को लॉक ही कर दिया चीन से सामान ही ना लो महात्मा गाँधी इसलिए विदेशी चीजों का वहिष्कार करते थे लेकिन आजादी के बाद देश का दुर्भाग्य ही कहे हमने उस पर अमल नहीं किया और आजादी के 77 साल बाद भी चीन की चाल को समझ नहीं रहे हैं ये बाद में अत्यंत हानिकारक होगा.

अफगान मोर्चा : रूस का बड़ा दांव और भारत

गिरीश पांडे

हाल में अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार को रूस की ओर से आधिकारिक मान्यता मिल गई है।

चीन, संयुक्त अरब अमीरात और दूसरे कई देशों की राजनयिक इंगेजमेंट के बावजूद रूस दुनिया का पहला देश बन गया है, जिसने अफगानिस्तान को राजनयिक मान्यता प्रदान कर दी है। इसे हम रूस का वैंकिमंच पर अप्रत्याशित और निर्णायक कदम कह सकते हैं।

यह कदम ऐसे समय उठा है जब अमेरिका, भारत और यूरोप जैसे प्रमुख देश अब भी तालिबान शासन को मान्यता देने से परहेज कर रहे हैं। रूस के इस कदम के पीछे कई रणनीतिक कारण निहित हैं। मसलन, रूस, पश्चिमी दबावों से मुक्त होकर स्वतंत्र शक्ति संतुलन स्थापित करना चाहता है। अफगानिस्तान, मध्य एशियाई गणराज्यों की सीमा पर स्थित है, जहां रूस की पारंपरिक पकड़ रही है।

तालिबान से संपर्क इसी विस्तार का हिस्सा है। रूस के निर्णय का असर अफगानिस्तान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और वि राजनीति पर इसका असर पड़ने की संभावना है। 1979 में सोवियत सैनिकों के अफगानिस्तान में दखल के बाद से लेकर 1989 तक मिखाइल गोबार्चोव के अपनी सेना वापस बुलाने तक अफगानिस्तान और रूस जटिल ऐतिहासिक द्विपक्षीय संबंधों में उलझे रहे।

हालांकि, 20 साल बाद अप्रैल, 2025 में रूस ने तालिबान को आतंकी संगठन की लिस्ट से हटाया था और इसके बाद अफगानिस्तान के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा था। अफगानी क्षेत्र में ट्रासपोर्ट कॉरिडोर ऐसी ही एक संभावना है। कहा यह भी जा रहा है कि रूस को आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खोरासन प्रांत (आईएसकेपी) के मद्देनजर तालिबान से सुरक्षा सहयोग की दरकार है। इस समूह ने रूस में पिछले साल आतंकी हमले को अंजाम दिया था और जिसमें 130 लोग मारे गए थे। इसलिए रूस ने इस बार यह महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है।

ध्यान देने की बात है कि अगस्त, 2021 में अमेरिका और नाटो के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। तब तालिबान ने कहा था कि वह अफगानिस्तान में लिबरल शासन चलाएगा, लेकिन उसके बाद उन्होंने कड़े शिया कानून लागू कर दिए। महिलाओं के प्रति कड़ी भेदभाव वाली नीतियों की वजह से पश्चिम के देशों ने तालिबान को राजनयिक तौर पर अलग-थलग रखा है। जानकार कहते हैं कि अब चीन भी रूस के नक्शेकदम पर चलेगा और अफगानिस्तान को मान्यता देने के बारे में सोचेगा। वैसे भी अभी रूस और चीन की ह्यअनिलमिटेड दोस्तीह्व चल रही है।

जहां तक भारत का संबंध है, रूस के इस निर्णय से भारत के समक्ष कुछ चुनौतियां और विकल्प उभरते हैं। पहला तो यही है कि रूस भारत का पारंपरिक सहयोगी रहा है। रूस द्वारा तालिबान को मान्यता देना भारत के हितों के विपरीत प्रतीत हो सकता है, विशेषकर जब अफगानिस्तान से आतंकवाद की आशंका बनी हुई हो। इसके अलावा, रूस, ईरान, चीन और पाकिस्तान का तालिबान से व्यवहार भारत के लिए अलग-थलग पड़ने की स्थिति पैदा कर सकता है, और तालिबान की सत्ता में मजबूती, जम्मू-कश्मीर में कट्टरपंथी ताकतों को परोक्ष समर्थन दे सकती है। इसलिए अभी भारत का तालिबान के साथ सॉफ्ट एंगेजमेंट चल रहा है, और तालिबान के साथ बिना उसे औपचारिक मान्यता दिए सीमित और नियंत्रित संवाद जारी हैं।

भारत, अफगानिस्तान की सुरक्षा स्थिति की भी बराबर निगरानी कर रहा है। अफगानिस्तान को लेकर भारत का दृष्टिकोण हमेशा ही अफगान के लोगों के साथ दीर्घकालिक और विशेष मित्रता से प्रेरित रहा है, और साथ ही एक दीर्घकालिक साझेदार के रूप में अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में भारत का हित सीधे जुड़ा है। अफगानिस्तान के साथ अपने पुराने संबंधों पर जोर देते हुए भारत ने युद्धग्रस्त देश की मानवीय और विकास संबंधी जरूरतों को पूरा

करने की सदैव ही प्रतिबद्धता जताई है।

यह तब खास हो जाता है, जब चीन और पाकिस्तान अफगानिस्तान में सक्रिय हैं। अफगान जनता के बीच विशेषकर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में भी भारत की साख यथावत बनी रहनी चाहिए। सरकार को जहां आतंकवाद-निरोधक तंत्र और खुफिया संपकरे को मजबूत करना होगा, वहीं रूस, ईरान और मध्य एशिया के साथ संवाद तेज कर एक संतुलित कूटनीति भी अपनानी होगी। यहां यह भी ध्यान में रखना जरूरी होगा कि रूस द्वारा तालिबान को मान्यता देना केवल कूटनीतिक घटना नहीं है, यह संकेत है इस बात का कि वि व्यवस्था पुनः आकार ले रही है। भारत को नये परिदृश्य में सजग, सक्रिय और संतुलित रह कर अपना मार्ग चुनना होगा ताकि अपने हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय स्थिरता में भी योगदान दे सके।

स्वच्छता एवं नशामुक्ति के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते सामाजिक संगठन

इस धरा पर जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव के लिए प्रकृति ने पर्याप्त खाद्य पदार्थ दिए हैं परंतु अति लालच के चलते मानव ने प्रकृति का शोषण करना शुरू कर दिया है। इसमें कोई अब कोई संदेह नहीं रह गया है कि मानव ने अपनी जिंदगी को आसान बनाने के लिए पर्यावरण का अत्यधिक नुकसान किया है और इसका परिणाम आज उसे ही भुगतना भी पड़ रहा है। कई देशों में तो भयंकर गर्मी में वहां के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जिनसे जान और माल की भारी हानि हो रही है। हम पर्यावरण के सम्बंध में बढ़ चढ़ कर चचाएं तो करते हैं परंतु आज हमारे गावों में खेत, प्लाटों में परिवर्तित हो गए हैं। हमारे खेतों पर शोपिंग काम्प्लेक्स एवं मॉल खड़े हो गए हैं जिससे हरियाली लगातार कम होती जा रही है।

बीते कुछ वर्षों में कंकरीट की इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश के महानगर अर्बन हीट आइलैंड बन रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड वह क्षेत्र होता है जहां अगल-बगल के इलाकों से अधिक तापमान रहता है। कई स्थानों पर अत्यधिक गर्मी के पीछे अपर्याप्त हरियाली, अधिक आबादी, घने बसे घर और इंसानी गतिविधियां जैसे गाडियों और गैजेट से निकलने वाली हीट आदि कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। कार्बन डाईआक्साइड और मेथेन जैसी ग्रीन हाउस गैसों एवं कूड़ा जलाने से भी गर्मी बढ़ती है। राजधानी दिल्ली का उदाहरण हमारे सामने है। जहां चारों दिशाओं में बने डंपिंग याडों में आग लगी ही रहती है और लोगों का सांस लेना भी अब दूभर हो रहा है।

भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए। हरियाली का विस्तार, जल स्त्रोतों की सुरक्षा, वर्षा जल संचय, वाहनों एवं एयर कंडीशंस की संख्या की कमी से ही हम प्रचंड गर्मी को कम कर सकते हैं। पृथ्वी का तापमान घटेगा तभी मानव सुरक्षित रह पाएगा।

उक्त संदर्भ में यह हम सभी भारतीयों के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि हमारे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन मौजूद हैं जो सदैव ही सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर, देश पर आने वाली किसी भी विपत्ति में आगे आकर, सेवा कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं। भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को ही प्रारम्भ कर दिया है। जिसके

अंतर्गत समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर संघ द्वारा देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। साथ ही, विभिन्न शहरों को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने हेतु भी विशेष अभियान प्रारम्भ किए हैं। उदाहरण के तौर पर ग्वालियर को स्वच्छ, नशामुक्त एवं प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का बीड़ा उठाया गया है।

इसी संदर्भ में ग्वालियर महानगर में विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकताओं का दो दिवसीय शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर के एक विशेष सत्र में इस बात पर विचार किया गया कि ग्वालियर महानगर को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाया जाना चाहिए। उक्त शिविर के समापन के पश्चात उक्त समस्याओं के हल हेतु विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकताओं की तीन बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में विस्तार से विचार करने के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि कुछ चिन्हित कार्यकताओं को विभिन्न मठ, मंदिरों, स्कूलों, संस्थानों आदि में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा जाए ताकि उक्त समस्याओं के हल में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस संदर्भ में चुने गए 60 कार्यकताओं के लिए एक वक्ता कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इन चिन्हित कार्यकताओं को विभिन संस्थानों में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया था ताकि उक्त समस्याओं के हल करने हेतु समाज को भी साथ में लेकर कार्य को सम्पन्न किया जा सके।

साथ ही, ग्वालियर को प्रदूषण मुक्त सुंदर नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को, ग्वालियर के चुने हुए 29 चौराहों पर मानव शृंखलाएं बनाई गई थी, लगभग 8,000 नागरिकों ने इस मानव शृंखला में भागीदारी की थी। इसी प्रकार, ग्वालियर को व्यसन मुक्त नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर, दिनांक 12 जनवरी 2025 को एक विशाल मेराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के आयोजन में स्थानीय प्रशासन का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ एवं लगभग 6,000 नागरिकों ने इस मेराथन दौड़ में भाग लिया था।

संघ के ग्वालियर विभाग द्वारा ग्वालियर महानगर में अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने की मुहिम प्रारम्भ की गई। जिसके अंतर्गत ग्वालियर के कई विद्यालयों में वहां के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साथ लेकर स्वयंसेवकों द्वारा नगर में भारी मात्रा में पौधारोपण किया गया। ग्वालियर की पहाड़ियों पर भी इस मानसून के मौसम के दौरान हजारों की संख्या में नए पौधे रोपे गए हैं। गजराराजा स्कूल, केआरजी महाविद्यालय एवं गुप्तेश्वर मंदिर की पहाड़ियों को तो पूर्णतः हरा भरा बना दिया गया है।

नगर के प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा नगर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक संगठनों, धार्मिक संगठनों, एवं नगर के विभिन्न चौराहों पर नागरिकों को शपथ दिलाई जा रही है कि ह्लमैं ग्वालियर नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु, आज से प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करूंगाह्व। अभी तक एक लाख से अधिक नागरिकों को यह शपथ दिलाई जा चुकी है। कई स्कूल, कई मंदिर एवं कई महाविद्यालय (लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान - एलएनआईपीई सहित) पोलिथिन मुक्त हो चुके हैं। इसी प्रकार, ट्रिपल आईटीएम प्रबंधन के प्रयास से संस्थान के आसपास दुकानदारों द्वारा मादक पदार्थों के बिक्री करना बंद कर दिया गया है। साथ ही, ग्वालियर महानगर में एक लाख से अधिक नागरिक, नशा नहीं करने का संकल्प ले चुके हैं।

विभिन्न मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों में भंडारों का आयोजन किया जाता है। इन भंडारों में अब प्रसादी को दोनों, पत्तलों में परोसा जाने लगा है एवं प्लास्टिक का उपयोग लगभग बंद कर दिया गया है। साथ ही, इन मंदिरों के आसपास प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा डस्टबिन रखवाये गए हैं, ताकि कचरे को यहां वहां न फैला कर इन डस्टबीन में डाला जा सके। इससे, मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों के आसपास के इलाके स्वच्छ रहने लगे हैं। ग्वालियर महानगर के जनप्रतिनिधि विभिन्न मैरिज गार्डन में जाकर इनके मालिकों से लगातार चर्चा कर रहे हैं कि इन मैरिज गार्डन में अमानक पॉलीथिन का उपयोग बिलकुल नहीं होना चाहिए। इसका असर यह हुआ है कि अब मैरिज गार्डन में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में प्लास्टिक का उपयोग धीरे धीरे कम होता हुआ दिखाई दे रहा है।

नागरिकों को कपड़े से बने थैले भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि बाजारों से सामान खरीदते समय इन कपड़े के थैलों का इस्तेमाल किया जा सके और प्लास्टिक के उपयोग को तिलांजलि दी जा सके। प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने के उद्देश्य से गणेशोत्सव के पावन पर्व पर नगर में विभिन्न गणेश पांडालों में बच्चों द्वारा नाटक भी खेले गए। साथ ही, संघ ने अपने स्वयंसेवकों को आग्रह किया है कि संघ द्वारा आयोजित किए जाने वाले किसी भी कार्यक्रम में प्लास्टिक का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया जाना चाहिए। और, अब संघ के कार्यक्रमों में इस बात का ध्यान रखा जाने लगा है कि प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं किया जाय। ग्वालियर के नागरिकों, विविध संगठनों, सामाजिक संस्थानों एवं प्रशासन द्वारा लगातार किए गए प्रयासों के चलते ग्वालियर महानगर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत राज्य स्तरीय मिनिस्ट्रीयल अवार्ड के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार 17 जुलाई 2025 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार, सिविल अस्पताल, हजीरा, जिला ग्वालियर को स्थानीय नागरिकों को उच्च स्तर की गुणवत्ता पूर्ण संक्रमण रहित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेश से प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

जब पूरे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन आगे आकर समाज के अन्य संगठनों को साथ लेकर देश के पर्यावरण में सुधार लाने हेतु कार्य प्रारम्भ करेंगे तो भारत के पर्यावरण में निश्चित ही सुधार दृष्टिगोचर होने लगेगा।

डीएम की अध्यक्षता में हुई त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण-2025 के संबंध में बैठक आयोजित की गई। निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि प्रत्येक अर्ह नागरिक को अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराना चाहिये। उन्होंने कहा कि निर्वाचक नामावली किसी भी निर्वाचन की आधारशिला होती है। यह नामावली जितनी अधिक शुद्ध होगी उतना ही निष्पक्ष स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन होगा। कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित नहीं रहना चाहिये। 18 जुलाई से सभी पंचायतों में मतदाता पुनरीक्षण का काम शुरू हो जाएगा। इस दौरान मतदाता अपने वोट बनवा सकेंगे। 15 जनवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। डीएम ने निर्देश दिए कि मतदाता सूची में किसी का नाम जोड़ने या हटाने से पहले सत्यापन जरूर कर लें और यह प्रक्रिया किसी के कहने मात्र से नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्वाचन आयोग के निदेशों का अक्षरशः पालन करने और वृहद पुनरीक्षण कार्य को पूरी गंभीरता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, सभी उपजिलाधिकारियों को तहसील स्तर पर बैठक आयोजित करने, बीएलओ की नियुक्ति करने और प्रशिक्षण कराने के निर्देश दिए। निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पुनरीक्षण

अभियान को लेकर समय सारिणी जारी कर दी है। इस दौरान वृहद पुनरीक्षण कार्य होगा। जिसके तहत एक जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाएंगे। 18 जुलाई से 13 अगस्त तक बीएलओ व पर्यवेक्षकों को उनके कार्यक्षेत्र का आवंटन व स्टेशनरी का वितरण किया जाएगा। 14 अगस्त से 29 सितंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना ओर सर्वेक्षण करेंगे। 14 अगस्त से 22 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन, 23 से 29 सितंबर तक प्राप्त आवेदनों की घर-घर जाकर जांच की जाएगी। 30 सितंबर से छह अक्तूबर तक संशोधन व विलोपन का कार्य होगा। सात अक्टूबर से 24 नवंबर तक निर्वाचक नामावलियों के कंप्यूटरीकरण की कार्यवाही, 25 नवंबर से चार दिसंबर तक निर्वाचक नामावलियों के कंप्यूटरीकृत मतदान केंद्र व स्थलों का क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग आदि के कार्य होंगे। साथ ही पांच दिसंबर को अनंतिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन, छह से 12 दिसंबर तक प्रकाशित अनंतिम मतदाता सूची का निरीक्षण और दावे व आपत्तियां ली जाएंगी। 13 से 19 दिसंबर तक दावे व आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। 15 जनवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अंतिम प्रकाशन होगा। उन्होंने बताया कि वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित समय सारणी के अनुसार निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण कार्य पूरा कराया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बृजेश कुमार त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी अमरोहाशशि भूषण पाठक, उप जिलाधिकारी हसनपुर पुष्करनाथ चौधरी, उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी नौगावां सादात सुनीता, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कल्लू सिंह, खंड विकास अधिकारी और एडीओ पंचायत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एडीएम ने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं के निस्तारण के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं को सुनकर तत्काल निराकरण प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को दिये। बैठक में पूर्व सैनिकों ने ई0सी0एच0एस0 अस्पताल, सी0एस0डी0कैन्टीन, शस्त्र लाईसेंस, भूमि और पेंशन संबंधी सहित अन्य शिकायते अपर जिलाधिकारी के समक्ष रखी जिस पर उन्होंने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। अपर जिलाधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को निर्देश दिये कि सैनिकों की समस्या का समाधान समयबद्ध तरीके से शीघ्रता से करा दिया जाये ताकि उन्हें किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पडे.। भूतपूर्व सैनिको को सुविधाएं दिये जाने के अनुरोध पर एडीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक में सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी कै0 विवेक कुमार, श्री देवेश सिरोही, श्री नबी हुसैन, श्री अमित जी, श्री इंद्रपाल सिंह, श्री तालिब रजा, भूतपूर्व सैनिक/कल्याण कार्यकर्ता प्रकाश सिंह, वरिष्ठ सहायक खेमचन्द, सहित अन्य अधिकारी एवं पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

आवारा पशुओं का जमघट, सवारी का साधन नहीं, विद्यालय युग्मन पर नाराज दिखे अभिभावक

हसनपुर/अमरोहा (सब के सपना):- विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गंगाचोली की मढैय्या के अभिभावको एवं विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों ने प्राथमिक विद्यालय गंगाचोली की मढैय्या को दूसरे स्कूल में विलय करने के विरोध में प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से रूप से कहा कि हम अपने विद्यालय को दो से तीन किलोमीटर दूर गंगाचोली में विलय होने से नाराज हैं। हम किसी भी सूरत में अपने नन्हे मुन्ने बच्चों को दो से तीन किलोमीटर की दूरी

पर पढ़ने नहीं भेजेंगे।क्योंकि बच्चों को भेजते समय उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भगवान भरोसे ही नजर आ रही है। सड़कों पर आवारा पशुओं का जमघट रहता है। सवारी का कोई साधन नहीं है। ऐसी भीषण गर्मी व बरसात के मौसम में बच्चों को दो से तीन किलोमीटर दूर भेजना न्याय संगत नहीं है।उन्होंने एक स्वर में कहा कि हमारे प्राथमिक विद्यालय गंगाचोली की मढैय्या को यथावत यहीं पर रखा जाए ताकि गरीब परिवार के बच्चे यहां पर शिक्षा ग्रहण कर सकें। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से विद्यालय के विलय के आदेश को तत्काल निरस्त करने की मांग भी की। इस अवसर पर मोहर सिंह, कुलदीप सिंह,महकार सिंह, जबर सिंह, बुद्धिया, पार्वती, हिमांशी, प्रीति, राधा, कुसुम, मीनू, हरनंदी, आदि अभिभावक मौजूद रहे।

सीडीओ ने की जनपद में निमार्णाधीन 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जनपद में निमार्णाधीन 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं और विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। सीडीओ ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को समय से पूरा कराया जाए। इसके साथ ही सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों की परियोजनावार समीक्षा कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसी के साथ पूर्ण परियोजनाओं को सीएमआईएस पोर्टल पर भी अपलोड किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएं कार्य को प्राथमिकता दें और तेजी लाकर उसे पूर्ण करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्य में मानकों का पूर्ण ध्यान रखा जाए, कोई लापरवाही न हो और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। इसके साथ उन्होंने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग विभाग की योजना एवं परियोजनाओं, राष्ट्रीय वृद्धावस्था योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मिशन शक्ति फेज 5, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजना एवं कृषि विभाग की योजना एवं परियोजनाओं सहित कैच द रैन अभियान की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, उप कृषि निदेशक डॉ राम प्रवेश, अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, जिला पूर्ति अधिकारी सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक द्वारा गजरौला क्षेत्र में भ्रमण कर कांवड मार्ग का निरीक्षण किया

यातायात व्यवस्था/ट्रैफिक डायवर्जन का जायजा लेते हुए अधिनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा श्रावण माह कावड़ यात्रा के दृष्टिगत थाना गजरौला क्षेत्र में कांवड रूट का निरीक्षण कर कांवड़ियों के सुगम आवागमन एवं यातायात की समुचित व्यवस्था का जायजा लिया । निरीक्षण के दौरान यातायात व्यवस्था/ट्रैफिक डायवर्जन, सुरक्षा व्यवस्था एवं समुचित प्रबंधों का जायजा. लिया गया । यातायात डायवर्जन के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि सीसीटीवी कैमरों पर 24*7 सतर्क दृष्टि रखते हुए निगरानी करे तथा कोई भी संदिग्ध व्यक्ति/वाहन दिखने पर तत्काल अपने उच्चाधिकारियों को अवगत करायें । यदि किसी कांवड़ यात्री की तबीयत खराब होती है तो तत्काल इसका संज्ञान लेकर अतिशीघ्र सहायता उपलब्ध करायी जाए । कांवडियों की सुरक्षा/कानून व्यवस्था संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किए गए । इस दौरान क्षेत्राधिकारी धनौरा व थाना प्रभारी गजरौला को कांवडियों के जाने के मार्ग पर विशेष सर्तकता एवं निगरानी तथा ड्यूटी प्रभावी किये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

घर में लूट के दौरान लुटेरों ने गृह स्वामी की गर्दन पर किया धारदार हथियार से हमला

घटना की जानकारी देता हुआ अमन पुत्र नसीम

घटनास्थल पर मौजूद ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार रात्रि लगभग 11:00 बजे तहसील क्षेत्र के एक गांव में बाहरी छोर पर बने घर के अंदर कुछ अज्ञात चोरों ने लूट करने के दौरान गृह स्वामी की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गया फिलहाल गृह स्वामी का इलाज जारी है। ज्ञात रहे कि पिछले कई दिनों से जनपद भर में शाम को अंधेरा होने के बाद ड्रोन उड़ने की अफवाह जोरों पर है। हालांकि जनपद के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के द्वारा चोरों के द्वारा ड्रोन उड़ने जैसी घटना का खंडन किया गया है। उन्होंने बताया है कि ड्रोन उड़ने की घटना सिर्फ एक अफवाह है अफवाह पर विश्वास ना करें लेकिन वहीं दूसरी तरफ जनपद के तहसील हसनपुर के गांव बुरावली में बुधवार रात्रि लगभग 11:00 बजे गांव के बाहरी छोर पर हसनपुर अलीगढ़ मार्ग के नजदीक बने घर में लूट करने के लिए कुछ चोरों के द्वारा प्रवेश किया गया। जाग होने की वजह से गृह स्वामी नसीम की गर्दन पर चोरों के द्वारा धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। उसके बाद चोरों के द्वारा नसीम के पुत्र अमन का भी गला दबाने का प्रयास किया गया और घर में रखे हुएङ्30000 को लूट लिया गया। जिसके बाद जानकारी मिलने पर ग्रामीण और क्षेत्रीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और गृह स्वामी को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि गृह स्वामी नसीम को गर्दन पर लगभग 12 से 13 टांके आए हैं फिलहाल नसीम खतरे से बाहर है। वहीं पूरे मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के द्वारा वीडियो के माध्यम से बयान जारी कर चोरों को जल्द गिरफ्तार करने की बात कही गई है। वही ग्रामीणों का कहना था कि रात को गांव में ड्रोन जैसा यंत्र आसमान में उड़ रहा था। लोगों में डर होने की वजह से ग्रामीण आसमान में ड्रोन जैसे दिखने वाले यंत्र को देख रहे थे। वहीं दूसरी तरफ गांव के ही बाहरी छोर पर चोरों के द्वारा लूट की घटना को अंजाम दिया गया है और जान लेने का प्रयास किया गया है। घटना की जानकारी होने पर गंगेश्वरी ब्लॉक के ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी भी मौके पर पहुंच गए और अधिकारियों को घटना का जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए हैं।

थाना हसनपुर पुलिस द्वारा 02 नफर अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर दीप कुमार पंत के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हसनपुर दिनेश कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना हसनपुर

पुलिस द्वारा दिनांक 15.07.2025 को अभियुक्तगण द्वारा वादी की पत्नी जोगवती व बेटे के साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट करने व जान से मारने की नियत से वार करने तथा जान से मारने की धमकी देने, के संबंध में थाना हसनपुर पर मु0अ0स0 281/25 धारा 115 (2), 352, 351 (2), 109 (1), 3(5) बीएनएस बीएनएस पंजीकृत किया गया था। उक्त अभियोग में विवेचक उ0नि0 बिजेन्द्र सिंह के द्वारा पुलिस टीम के साथ अभि0गण 1. कपिल पुत्र सुखराम 2. पूरन पुत्र सुखराम निवासीगण ग्राम भीमाठीकरी थाना हसनपुर जनपद अमरोहा को मय घटना मे प्रयुक्त दो लोहे की रॉड के साथ गिरफ्तार किया गया । खबर लिखे जाने तक अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा था।

भू- जल सप्ताह जल सुरक्षित तो कल सुरक्षित कार्यक्रम का किया गया आयोजन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- विकासखंड गंगेश्वरी के ब्लॉक परिसर में भूजल सप्ताह के अंतर्गत जल सुरक्षित तो कल सुरक्षित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने कहा कि जल हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमें जल को व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। कहा कि आपने देखा होगा कि काफी लोग जब नहाते हैं तो समरसेबल को लगातार चलाते रहते हैं और तब नहाते हैं। जबकि नहाने का कार्य बहुत कम पानी में हो सकता था लेकिन समरसेबल को लगातार चलाने की वजह से सैकड़ों लीटर पानी सड़क पर बह जाता है। नालियों में बह जाता है। जिससे कि पानी का जलस्तर लगातार कम होता जा रहा है। आगे ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि आपने देखा होगा कुछ लोग ब्रश

करने के दौरान भी टोटी खुला छोड़ देते हैं और ब्रश करते रहते हैं। वह भी पानी नालियों में बहता रहता है। हमें जल को बचाना है और ब्रश करते समय टोटी को बंद कर देना है। उन्होंने कहा कि हम जल संरक्षण को संरक्षण करने के लिए अलग-अलग तरीके भी अपना सकते हैं। हमें पानी को व्यर्थ नहीं बहाने देना है। जल है तो कल है, जल के बगैर जीवन बेकार है। ऐसे अनेकों उदाहरण राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने जल सुरक्षित तो कल सुरक्षित कार्यक्रम के अंतर्गत दिए। कार्यक्रम के दौरान विकासखंड परिसर में एडीओ आईएसबी राजकुमार, सहायक लेखाकार सत्य प्रकाश, वरिष्ठ लिपिक सचिन कुमार, ममता रानी, पुष्पेंद्र सिंह, ओमवीर सिंह, देव कुमार, कृपाल सिंह, मुस्तकीम, राहुल मावी, विदित यादव, राजेश कुमार, नन्हे सिंह, बर्फी देवी आदि लोग उपस्थित रहे।

सीडीओ ने की सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों, राशन कार्डो के सत्यापन एवं अन्नपूर्णा भवन के निर्माण के संबंध में बैठक आहूत की गयी। अश्वनी कुमार मिश्र ने निर्देशित किया कि लक्ष्यों को पूर्ण करने में कोई कोताही न बरते और रैंकिंग में सुधार लाएं। जिन विभागों की खराब रैंक आई है वो कारणों को चिन्हित कर दूर करते हुए रैंकिंग में सुधार लाएं। निर्देशित किया कि सभी विभाग समय पर फीडिंग करें। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रही रैंकिंग पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि खराब रैंकिंग वाले विभाग अपनी कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाएं। सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपनी विभागीय प्रगति की रिपोर्ट सीएम डैशबोर्ड पर माह के अन्त तक अनिवार्य रूप से फीड कराना सुनिश्चित करें एवं अधिकारी स्वयं उसकी मॉनीटरिंग करें। सीडीओ ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में सघन अभियान चलाकर अपात्रों को चिन्हित कर उनका राशन कार्ड निरस्त करते हुए तत्काल पात्रों को योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निमार्णाधीन अन्नपूर्णा भवन को माह अंत तक पूर्ण करने के साथ पूर्ण भवनों को शीघ्रता से संचालित कराने के निर्देश खंड विकास अधिकारियों को दिए। जहां पर अन्नपूर्णा भवन के लिए भूमि की उपलब्धता नहीं है, वहां पर भूमि का चिन्हांकन कर एक सप्ताह में रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, उप कृषि निदेशक डॉ राम प्रवेश, अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रेमचंद लोहिया मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया गया निःक्षय शिविर

हापुड़ (सब का सपना):- समस्त भारत में प्रत्येक माह की 15 तारीख को निः क्षय दिवस सभी चिकित्सा संस्थानों में मनाया जाता है इसी कार्यक्रम के अंतर्गत निःक्षय दिवस के अवसर पर मेरिनो कंपनी द्वारा प्रायोजित प्रेमचंद लोहिया मेमोरियल ट्रस्ट तथा जिला क्षय रोग विभाग के संयुक्त उपक्रम के अंतर्गत गांव सरावा हापुड़ में क्षय रोगियों के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के दौरान कुल 182.मरीजों को चिकित्सा परीक्षण का लाभ मिला इन मरीजों में से 24.मरीजों की बलगम की जांच कराई गई और 9.मरीजों को एक्सरे के लिए जिला सयुक्त चिकित्सालय हापुड़ रैफर किया गया 38.मरीजों की ब्लड शुगर की जांच की गई ,प्रेमचंद लोहिया मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा अब तक निःक्षय दिवस के अवसर पर 27.चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया है शिविर में स्वास्थ्य विभाग से जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह द्वारा उपस्थित मरीजों को निःश्चय दिवस के बारे में जानकारी दी गई और बताया कि टीवी मरीजों को टी वी की दवाओं का कोर्स पूरा करना अति आवश्यक है और इसे बीच में नहीं छोड़नी चाहिए इस अवसर पर जिला पी 0पी0 एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी ने बताया कि सन 2025 तक भारत को टी 0बी0 मुक्त कराने में मेरिनो कंपनी का यह प्रयास सराहनीय है इस कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पी एस अग्रवाल तथा डॉ डी के अग्रवाल ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा अनिल कुमार फार्मासिस्ट यासीन अली लेब तकनीशियन,विनोद कुमार, मोहम्मद सोहेल ने बलगम की जांच कराने ,दवाई वितरण में सहयोग किया इस अवसर पर जिला क्षय रोग विभाग से जिला पी एम डी टी कॉर्डिनेटर मनोज कुमार एवम् वरिष्ठ प्रयोगशाला पर्यवेक्षक ब्रजेश कुमार उपस्थित रहे। भारत सरकार द्वारा चलाए गए अभियान के तहत हर महीने की 15 तारीख को निःक्षय दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। भारत सरकार इस प्रयास को और मजबूती के लिए कंपनी द्वारा आयोजित प्रेमचंद लोहिया मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा टी बी रोग के बारे में लोगों को जागरूक बनाया जा रहा है।

बसपा के विधानसभा उपाध्यक्ष वार्ड नंबर 7 से बनाए जा सकते हैं जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के आदेश अनुसार जिला पंचायत सदस्य के चुनावों में बसपा पदाधिकारीयों को चुनाव लड़ने का मौका दिया जाएगा। बसपा के गढ़ विधानसभा उपाध्यक्ष नौफिल चौधरी को जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर 7 से जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी बनाए जाने की खबरें क्षेत्र में आग की तरह फैल रही हैं। राजनीतिक महत्व से बसपा का यह फैसला पार्टी की स्थानीय स्तर पर मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। नौफिल चौधरी के प्रत्याशी बनाए जाने से बसपा को अपने मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। अगर चुनावी रणनीति की बात करें तो बसपा की चुनावी रणनीति में नौफिल चौधरी की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। खासकर वे अपने क्षेत्र में मजबूत जनाधार रखते हैं। बहुजन समाज पार्टी के विधानसभा उपाध्यक्ष नौफिल चौधरी को वार्ड नंबर 7 से जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी बनाए जाने की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई है। उनके चाहने वालों ने मुबारकबाद देना भी शुरू कर दिया है। नौफिल चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती ने बसपा पदाधिकारी पर विश्वास जताया तो जनपद की 14 सीटों पर बसपा का कब्जा किया जाएगा।

भीख से सीख कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में भीख से सीख कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उम्मीद संस्था से डॉ. रैना शर्मा ने कार्यक्रम में अब तक हुई प्रगति के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कौशल विकास संबंधी ट्रेनिंग के लिए सुझाव दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि फ़एळक के द्वारा भीख मांगने वाले लोगों को ट्रेनिंग एवं रोजगार देने की योजना है। जिसको लेकर संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने भीख मांगने वाले बच्चों के स्कूल प्रवेश में आ रही समस्याओं के निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। भीख से सीख कार्यक्रम के अंतर्गत गठित टास्क फोर्स की एक मीटिंग 24 जुलाई 2025 को निर्धारित की गई है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण, उम्मीद संस्था से डॉ. रैना शर्मा, क्षेत्र समन्वयक गौरव कुमार सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

घर से भागी 14 वर्षीय व 3 बर्षीय बालिकायें हुई दिल्ली से बरामद

बाल कल्याण समिति सम्भल(न्यायपीठ)ने परिजनों को सौंपा

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के अंतर्गत निवासी मौ० कस्बा सिरसी 14 वर्षीय व 03 बर्षीय दो बालिकाएं तीन माह पूर्व अचानक घर से लापता हो गई थीं। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं लग पाया था। इस बीच वो दोनों किसी तरह दिल्ली पहुंच गई, जहां वो दोनों संदिग्ध अवस्था में दिल्ली पुलिस को मिली। दिल्ली पुलिस द्वारा तुरंत बाल संरक्षण कानूनों के तहत उन दोनों बालिकाओं को बालिकागृह दिल्ली में भेज दिया गया। पिछले तीन माह से वो दोनों दिल्ली के एक बालिका गृह में रह रही थीं। बातचीत के दौरान पता चला कि दोनों बच्चियां सम्भल जिले की हैं तो दिल्ली पुलिस ने बाल कल्याण समिति सम्भल से सम्पर्क किया,बाल कल्याण समिति के अथक प्रयास के बाद जब उन दोनों बच्चियों की पहचान पूरी तरह से सुनिश्चित हो गई, तो दिल्ली पुलिस उन दोनों बच्चियों को लेकर बाल कल्याण समिति सम्भल पहुंची और दोनों बच्चियों को न्यायपीठ बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया। बाल कल्याण समिति संभल में औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों बच्चियों को सकुशल उसकी माता के हवाले कर दिया। पूर्व में भी ये बच्चियां घर से भाग चुकी हैं। ऐसे में बाल कल्याण समिति ने उसकी माता को सलाह दी कि वे बच्चों के साथ संवाद बनाए रखें, उनकी समस्याओं को समझें और उन्हें अकेलापन महसूस न होने दें।बाल कल्याण समिति की सक्रियता से दोनों बच्चियां सुरक्षित अपने घर पहुंच गई, जिससे परिजनों ने राहत की सांस ली है। बच्चियों की सुपुर्दगी देते समय बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गौरव गुप्ता, सदस्य गौरव शर्मा, नूतन चौधरी,नीलम राय उपस्थित रहे।

बिजली की समस्या को लेकर भाकियू का अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन, 24 घंटे विद्युत सप्लाई की मांग

बदायूं (सब का सपना) एस पी सैनी:- जनपद के कस्बा उघैती में बृहस्पतिवार को विद्युत उपकेंद्र उघैती पर भारतीय किसान यूनियन के कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष रामाशंकर शंखधार के नेतृत्व में बिजली और सड़क की समस्या को लेकर अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन किया गया है। किसानों का कहना है की 24 घंटे में तीन-चार घंटे ही विद्युत सप्लाई मिल पा रही है ऐसे में खेती-बाड़ी का काफी नुकसान हो रहा है। धान की रोपाई भी होने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उघैती क्षेत्र की सड़कों की हालात भी बद से बदतर होती जा रही है। जिससे इस समय बरसात के मौसम में आवागमन में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पीडब्ल्यूडी विभाग चयन की नींद सोया हुआ है इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं है। जिला अध्यक्ष रमाशंकर शंखधार ने मांगे पूरी न होने तक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन की चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती हैं तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

जच्चा बच्चा की मौत के बाद भी नहीं जागा प्रशासन, किया इससे भी बड़ी घटना का स्वास्थ्य विभाग कर रहा है इंतजार

जगह-जगह खुले हैं झोलाछाप के अस्पताल

नवजात शिशु की सुरक्षा की नाम पर खुला है झोलाछाप का एनआईसीयू, पीसीयू,सीपीएपी हॉस्पिटल

सहसवान/ बदायूं (सब का सपना) एसपी सैनी:- जनपद के नगर सहसवान में बीते कई वर्षों से बदायूं मेरठ राज्य मार्ग 18 से ग्राम डकारा जाने वाले मुख्य मार्ग पर (अकबराबाद मोहल्ले की मोड) निकट मंडी समिति के पीछे नवजात शिशु की सांस लेने में हो रही दिक्कत (क्रिटिकल बीमारी) के नाम पर एक झोलाछाप चिकित्सक एनआईसीयू, पीसीयू, सीपीएपी खुलकर सहसवान बिल्सी बिसौली जनपद संभल की तहसील गुन्नौर के नवजात शिशुओ का ईलाज कर रहा है। स्वास्थ्य सेवा के नाम पर नवजात शिशुओं के अभिभावकों से लाखों रुपए की इलाज के नाम पर वसूली की जा रही है। जबकि क्रिटिकल सेंटर के नाम पर उनके अस्पताल में शिवाय ऑक्सीजन सिलेंडर के कुछ भी नहीं है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बाकायदा इस अस्पताल संचालक ने क्षेत्र के अंतर्गत जगह-जगह अपने दलाल नियुक्त कर रखे हैं जो वहां से नवजात शिशुओं को इसके हॉस्पिटल में भर्ती करने के लिए भेजते हैं। इसके बदले उन्हें मोटा कमीशन दिया जाता है। बाकायदा केंद्र संचालक ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर बड़े-बड़े शब्दों में एनआईसीयू,पीआईसीयू,सीपीपी सेंटर लिखवा कर यह भी लिखवा दिया है कि यहां क्रिटिकल नवजात शिशु का उपचार किया जाता है और विशेषज्ञ चिकित्सक(नवजात शिशु) के संरक्षण में उनकी देखभाल की जाती है जबकि विशेषज्ञ चिकित्सक के नाम पर अस्पताल में मात्र झोला छाप स्टाफ कर्मचारी ही उपस्थित रहते हैं। जो अस्पताल में पहुंचे नवजात शिशुओं की इस प्रकार सेवा करते हैं। जैसे इन झोलाछापों ने विदेशी या किसी अच्छे मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई करके डिग्री ली हो। सेवा भाव ऐसा होता है जैसे की मेहमान का सेवा भाव कर रहे हो। बात यहीं खत्म नहीं होती बल्कि नवजात शिशु की हालत बिगड़ने पर खुद एम्बुलेंस बुलाकर उन्हें अपने पसंदीदा अस्पताल में यह कहते हुए रेफर्स स्लिप बनाते हैं जैसे कोई हायर सेंटर डॉक्टर किसी गंभीर मरीज को रेफर करता है। रेफर करने तक ही बात खत्म नहीं हो जाती बल्कि क्रिटिकल सेंटर मुख्य मार्ग पर खुला हुआ है जहां से प्रत्येक दिन कोई ना कोई स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी का आवागमन होता है। जिस मार्ग पर यह क्रिटिकल सेंटर खुला है वह मार्ग बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में भी जाता है। परंतु किसी भी स्वास्थ्य विभाग के या प्रशासन के अधिकारी ने क्रिटिकल केंद्र को चेक करने का जोखिम नहीं उठाया। बताया जाता है कि सहसवान के अलावा बदायूं जनपद के समस्त अधिकारियों को प्रति माह लाखों रुपए उनका मुंह बंद करने के नाम पर महीने के प्रथम सप्ताह में पहुंचता हैं। अब देखने वाली बात यह होगी की स्वास्थ्य विभाग इस शिशुओं के इलाज के नाम पर दिन में ही डकैती डालने वाले अस्पताल पर क्या कार्यवाही करता है या फिर सब कुछ यूं ही चलता रहेगा?

कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक का आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत निरोधात्मक कार्यवाहियों को लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एनडीपीएस, गैंगस्टर, आबकारी तथा जुआ आदि पर भी चर्चा की गयी। एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए उन्होंने कहा कि भूमाफिया एवं गैंगस्टर कार्यवाहियों को बढ़ाया जाए। थाना नखासा देहपा के पास की एक अवैध शराब से संबंधित शिकायत के विषय में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया जिसको लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में ढाबा एवं होटल पर छापेमारी कर अवैध रूप से बिक रही शराब को चेक करें और संबंधित के खिलाफ कार्रवाई संज्ञान में लाएं। और उन्होंने कहा कि जो कार्रवाई की जाएं उसके विषय में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को भी अवगत कराएं। आगामी ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई एवं संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त ग्राम पंचायत में डॉ.अंबेडकर पार्क एवं अन्य विभूतियों के पार्क बने हुए हैं उनको देख लिया जाए एवं उन पार्कों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का कार्य भी किया जाए और जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने समस्त संबंधित अधिकारियों से कहा कि ग्राम पंचायत चुनाव के दृष्टिगत समस्त आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक ने एलआईयू को भी आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया और उन्होंने कहा कि जनपद में सक्रिय रहकर अपना कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव के दृष्टिगत ग्राम पंचायत में कोई जातिवाद को लेकर टिप्पणी करता है उस पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा,अपर जिलाधिकारी न्यायिक सतीश कुमार कुशवाहा, अपर पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक भाटी, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.तरुण पाठक, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार एवं उप जिलाधिकारी गुन्नौर वंदना मिश्रा, उप जिलाधिकारी संभल विकास चंद्र, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी सहित समस्त क्षेत्राधिकारी एवं समस्त थानाध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका का भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका का करेगी घेराव

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- नगर पालिका गढ़मुक्तेश्वर में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के मेरठ मंडल के अध्यक्ष जीते चौहान के अनुसार नगर पालिका में सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। किसान नेता जीते चौहान ने कहा है कि वह बहुत जल्द गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका कि आरटीआई लगाकर उसकी जांच कराने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा है कि गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका में कमीशन खोरी चरम सीमा पर चल रही है। वह बहुत जल्द ईओ ऑफिस का भी घेराव करेंगे।

निरन्तर खाली हो रहा धरती का पेट - डॉ अर्जुन पाण्डेय

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- श्री शिव प्रताप इंटर कॉलेज के सभागार में भूगर्भ जल सप्ताह के अन्तर्गत 'वर्षा जल संचयन एवं भूगर्भ जल स्तर' विषयक संवाद संगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण से हुआ। विषय का प्रवर्तन करते हुए अध्यक्ष जलबिरादरी पर्यावरणविद् डॉ अर्जुन पाण्डेय ने कहा कि धरती पर तीब्र गति से बदलते मौसमी परिवेश एवं अत्यधिक जलदोहन से निरन्तर खाली हो रहा धरती का पेट चिंता का विषय है।आज के पांच दशक पूर्व जहां जनपद का औसत भूगर्भ जल स्तर 15 -20 फीट रहा अत्यधिक जलदोहन से जो आज घटकर औसत 35-40 फीट नीचे जा चुका है। स्थानीय जलस्त्रोत समदा, मसियांव, चंदवा, सभांवा, मैहार, बढ़ैला एवं बढ़नी आदि बड़े तालाब खाली पड़े हैं तथा सदानीरा मालती एवं उज्जयिनी नदियां बरसात के अलांवा सूख जाती है। अत्यधिक जलदोहन से भादर ब्लाक डार्क जोन बन चुका है। समय रहते सचेष्ट न हुए तो सम्पूर्ण जनपद को गम्भीर जल संकट से जूझना पड़ेगा। गम्भीर जल संकट से उबरने के लिए बरसात में होने वाली वर्षा के 20 प्रतिशत जल को संचयन द्वारा धरती का पेट भर के गिरते हुए भूगर्भ जल स्तर को उठाया जा सकता है।इसके लिए शासन- प्रशासन सहित स्थानीय जनमानस को आगे आने की जरूरत है। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य नवल किशोर सिंह ने कहा कि जल में ही जीवन है। जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त कोई भी कार्य जल के बिना नहीं होता है।पंच भौतिक तत्वों में जल का महत्व सर्वोपरि है।जल स्वराज से ही ग्राम स्वराज संभव है। मुख्य अतिथि वृक्ष मित्र टी पी सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि वृक्ष धरा के आभूषण है।बिरवा पूत समान की भावना से पौधरोपण एवं उनका रखरखाव जरूरी है।जहां वृक्ष वहीं जल। धरती पर हरियाली बढ़े इसके लिए पीपल,बरगद, गूलर,पाकर एवं नीम आदि पंचवटी के वृक्ष श्रेयस्कर हैं।शासन- प्रशासन के बजाय ग्रामीण जनमानस वृक्षारोपण करे अन्यथा उनका रखरखाव कम फोटोग्राफी ज्यादा होगी।विशिष्ट अतिथि डॉ रमेश कुमार शुक्ल ने कहा कि वृक्ष नही तो हम नहीं।बाग गांव के शहर के नही।वीरान बनती जा रही पृथ्वी के लिए जल संचयन अपरिहार्य है।सत्येन्द्र प्रकाश शुक्ल ने कहा कि देवशयनी से लेकर देवोत्थानी एकादशी तक चौमासे में मांगलिक कार्य नही होते हैं। पुरानी कहावत रही चार महीना कमाय बारह महीना खाय।पुरानी पीढ़ी की तरह जल संचयन करके ही धरती का पेट भर सकते हैं। जगदम्बा तिवारी मधुर ने कहा कि वर्तमान में कोका कोला,रेलनीर प्लांट एवं सैकड़ों अनधिकृत वाटर प्लांट के अत्यधिक जलदोहन को रोक कर ही जनपद को पानीदार बनाया जा सकता है।संवाद गोष्ठी में प्रतीक्षा,साहिबा बानों,सुधा मोर्या, अनुष्का,नेहा,श्रेया आदि सैकड़ों की संख्या में छात्र- छात्राएं शामिल रहे।संवाद गोष्ठी का संचालन प्रकृति प्रेमी समीर मिश्र ने किया।

भारी बारिश से कच्ची दीवार ढही, 11 भेड़ों की मौत, 10 घायल

अमेठी (सब का सपना):- आदित्य बरनवाल:- भेटुआ विकासखंड के विशुनपट्टी गांव स्थित बैंसणा में गुरुवार सुबह करीब 7 बजे हुई बारिश के चलते एक कच्ची दीवार गिर गई, जिससे नीचे दबकर 11 भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 10 भेड़ें गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना की जानकारी 112 डायल पुलिस और लेखपाल विभाग को सूचना दी गई, लेकिन मौके पर पशु चिकित्सा अधिकारी नहीं पहुंचे। केवल पशु विभाग का एक सहायक वहां उपस्थित हुआ। पीड़ित किसान छोटे लाल पुत्र छेदी राम ने बताया कि हादसे के बाद लगातार विभागीय अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई उचित मदद नहीं मिली। लेखपाल उमेश यादव स्वयं मौके पर नहीं पहुंचे, बल्कि अपने मुंशी बिहारी लाल को भेज दिया। जानकारी लेने पर पता चला कि लेखपाल प्रतिदिन कार्य क्षेत्र से दूर घर चले जाते हैं, जिससे समय पर उनकी मौजूदगी नहीं हो पाती। यह हादसा न केवल प्राकृतिक आपदा का परिणाम है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही की एक और मिसाल बनकर सामने आया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से उचित मुआवजे और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने डी0पी0 एक्ट में 3 अभियुक्त/ अभियुक्ता को किया गिरफ्तार

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना मुसाफिरखाना पुलिस द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 187/25 धारा 85, 80 बीएनएस व ३ डी0पी0 एक्ट थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी में 03 नफर वांछित अभियुक्त/ अभियुक्ता 1.अब्दुल रऊफ पुत्र अब्दुल हफीज उम्र करीब 57 वर्ष, 2.अजमेरुल निशा पत्नी अब्दुल रऊफ खाना उम्र करीब 57 वर्ष, 3.महजबीन बानो पत्नी मो0 सलमान खान उम्र करीब 29 वर्ष निवासीगण कटरा भद्दौर थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी को गिरफ्तार किया गया। खबर लिखे जाने तक गिरफ्तारी के संबन्ध में थाना मुसाफिरखाना पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही थी।

चैकिंग के दौरान 40 ग्राम स्मैक के साथ 1 गिरफ्तार

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्रा के कुशल नेतृत्व में थाना इन्हौना पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मोटरसाइकिल सवार अभियुक्त हसीब उर्फ लादेन पुत्र नसीम उर्फ अब्दुल करीम निवासी दक्खिन मोहल्ला मजरे इन्हौना जनपद अमेठी उम्र करीब 38 वर्ष को गिरफ्तार किया गया ।हीरो स्ट्रिम मोटरसाइकिल बिना नम्बर प्लेट के कागज मांगने पर दिखा न सका । तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 40 ग्राम स्मैक बरामद हुई। खबर लिखे जाने तक गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना इन्हौना पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी जनता की समस्याएं

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चलती ट्रेन में कांवड़िया से मारपीट, नकदी और मोबाइल छीना

जगदीशपुर (अमेठी)। अहमदाबाद से सुल्तानपुर जा रही साबरमती एक्सप्रेस में बुधवार सुबह चलती ट्रेन में एक कांवड़िये की कुछ यात्रियों ने पिटाई कर दी। मोबाइल चोरी के शक में पीड़ित के कपड़े फाड़े गए और मोबाइल फोन व 900 रुपये छीन लिए गए। आरोप है कि पिटाई करने वालों ने उसे ट्रेन से बाहर फेंकने की कोशिश भी की लेकिन वह किसी तरह शौचालय में छिपकर जान बचाने में सफल रहा। हरियाणा के फतेहाबाद के जमालपुर तुहाना गांव निवासी अनिल कुमार बुधवार को चलती ट्रेन से निहालगढ़ स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर कूद गए। वहां मौजूद आरपीएफ पोस्ट निहालगढ़ के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार ने उसे ट्रॉमा सेंटर जगदीशपुर में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जीआरपी सुल्तानपुर के हवाले कर दिया गया। युवक के मुताबिक, वह नशे की हालत में ट्रेन में टहल रहा था। लखनऊ-निहालगढ़ स्टेशन के बीच कुछ यात्रियों ने मोबाइल चोरी का आरोप लगाकर उसे पीटना शुरू कर दिया। जेब से नकदी और मोबाइल निकाल लिया गया। आरोपी जब उसे चलती ट्रेन से फेंकने की कोशिश कर रहे थे तो उसने टॉयलेट में जाकर दरवाजा बंद कर लिया और निहालगढ़ पहुंचते ही प्लेटफॉर्म पर कूद गया। बताया कि वह हरिद्वार गंगाजल लेने के लिए निकला था।

दिल्ली वालों के सामने आया बड़ा संकट, आखिर कैसे गुजरेंगे ये दिन? लोगों ने बयां किया दर्द

नई दिल्ली। राजधानी में 533 क्लस्टर बसें सड़कों से हट गई हैं। ऐसे में बसों की कमी का सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर एक ही दिन में असर देखने को मिला। बस हटने के अगले ही दिन यात्रियों को बसों के इंतजार में घंटों पसीने बहाने पड़े। बताया गया कि बस देर से मिलने के कारण लोगों को ई-रिक्शा व ऑटो में दोगुना किराया देना पड़ा। यात्रियों में नाराजगी भी देखने को मिली। शाहदरा जीटी रोड, वजीराबाद रोड, आनंद विहार के रूट पर बसों की भारी कमी देखने को मिली। इसके साथ राजघाट पावर हाउस, कश्मीरी गेट आइएसबीटी, लाल किला, नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, पंजाबी बाग टर्मिनल, केंद्रीय टर्मिनल, रकाबगंज और उत्तम नगर सहित कई प्रमुख स्थानों पर बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ नजर आई। एक से डेढ़ घंटे तक यात्री बसों के इंतजार में स्टैंड पर खड़े रहे। धूप के साथ ही बस के इंतजार ने उन्हें काफी परेशान किया। मजबूरी में लोगों को आटो, ई-रिक्शा और टैक्सी जैसे महंगे विकल्पों का सहारा लेना पड़ा। इससे न सिर्फ यात्रियों की जेब पर असर पड़ा, बल्कि समय की भी भारी बबार्दी हुई। सीलमपुर से सीमापुरी पांच रुपये में जाने वाले यात्री बस न मिलने से शेयरिंग टैक्सी में 15 व 20 रुपये देकर गए। उत्तम नगर बस टर्मिनल से चलने वाली क्लस्टर बस संख्या 511 के बंद होने से भी यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यह बस उत्तम नगर से सराय काले खां तक चलती थी। यात्रियों ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस रूट पर बस सेवा बंद होने की जानकारी मिली, वे काफी निराश हो गए। हालांकि, टर्मिनल से करीब 100 मीटर दूर तिलक नगर से चलने वाली बसों का विकल्प मौजूद था

खेत पर जुताई करने के लिए गए किसान का शव बारिश के पानी में पड़ा हुआ मिला

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

बदायूं (सब का सपना) एसपी सैनी:- जनपद के उसहैत थाना क्षेत्र के खेड़ा जलालपुर गांव में बुधवार शाम धान की जुताई के लिए निकले किसान का शव बारिश के पानी में पड़ा मिलने के बाद सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को सील करके पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। बताया जाता है कि उसहैत थाना क्षेत्र के खेड़ा जलालपुर गांव में बुधवार शाम धान की जुताई के लिए निकले किसान जादूगर शाक्य (45) का शव गुरुवार सुबह बारिश के पानी में पड़ा मिलने के बाद सनसनी फैल गई।और ग्राम में चचाओं का बाजार गर्म हो गया। परिजनों के बताया कि जादूगर बुधवार शाम धान की जुताई के लिए निकले थे। जो रात भर घर नहीं लौटे थे। सुबह जब उनकी तलाश की गई तो उनका शब गांव में बारिश के पानी में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव सील करके पोस्टमार्टम को भेज पड़ताल शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि जादूगर नामक व्यक्ति का शव बरसात के पानी में मिला है। जिसको पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के सलीमगढ़ फ्लाईओवर पर ट्रक ने ली एक पिता की जान, चंडीगढ़ में पढ़ रहे बेटे की फीस देकर लौट रहे थे घर

नई दिल्ली। मध्य जिले के सलीमगढ़ फ्लाईओवर पर मंगलवार तड़के एक तेज रफ्तार ट्रक ने गाड़ी में पंक्चर लगा रहे एक व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी और उन्हें रौंदता हुआ मौके से फरार हो गया। उन्हें तुरंत ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हरियाणा पलवल के महेंद्र पाल के रूप में हुई है, जो सेवानिवृत्त सैन्य कर्मी थे और अपने परिवार के साथ चंडीगढ़ से पलवल जा रहे थे। मृतक का भाई भी आया रफ्तार की चपेट में हादसे में मृतक के भाई संदीप कुमार भी घायल हो गए, जिन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कर शव स्वजनों को सौंप दिया है और मामला दर्ज कर आरोपित ट्रक चालक की तलाश में जुटी है। मध्य जिले के उपायुक्त निधिल वालसन के मुताबिक, मंगलवार तड़के करीब दो बजे आइएसबीटी से आइटीओ जाने वाले सलीमगढ़ फ्लाईओवर पर एक हादसे की पुलिस को सूचना मिली थी। गाड़ी का टायर हो गया था पंक्चर सूचना पर पहुंची पुलिस ने देखा कि एक व्यक्ति को ट्रक चालक लापरवाही से वाहन चलाते हुए रौंदता हुआ फरार हो गया है। मृतक के बेटे ने रकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वह पिता महेंद्र पाल, चाचा संदीप कुमार और मौसेरे भाई के साथ चंडीगढ़ से अपने घर पलवल जा रहे थे। रात करीब दो बजे सलीमगढ़ फ्लाईओवर पर उनकी गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी गाड़ी किनारे लगाकर उनके पिता महेंद्र पाल और चाचा संदीप पंक्चर लगाने लगे। तभी एक तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने दोनों को जोरदार टक्कर मारी और उनके पिता को रौंदता हुआ मौके से फरार हो गया। उन्हें गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर ले जाया गया, लेकिन डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस उनके बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। चंडीगढ़ से बेटे की फीस जमाकर लौट रहे थे घर मृतक महेंद्र पाल के परिवार में पत्नी उमवती देवी, बड़ा बेटा हरकेश कुमार और छोटा बेटा प्रवेश कुमार हैं। वह आर्मी से वर्ष 2017 में सेवानिवृत्त हुए थे और पलवल में आंगनबाड़ी में कार्यरत थे। बड़ा बेटा हरकेश चंडीगढ़ विश्वविद्यालय से बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। वह सोमवार को उसकी फीस जमाकर बेटे को घर लाने के लिए घर से निकले थे और वापिस लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। उनकी मौत की खबर सुन परिवार में मातम छाया हुआ है और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है।

अमेठी में ड्रग इंस्पेक्टर की दबंगई: नशे में पुलिसकर्मियों से की अभद्रता

अमेठी(सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- मुंशीगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत अमेठी रोड पर बुधवार देर शाम एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां ड्रग इंस्पेक्टर कमलेश मिश्र ने शराब के नशे में धुत होकर पुलिसकर्मियों से अभद्रता की। बताया जा रहा है कि किसी ऑटो रिक्शा मे दुर्घटना करके भागे हुए थे तथा तेज रफ्तार में वाहन चला रहे थे, जिसे लेकर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका। इस पर वे आपा खो बैठे और मौके पर मौजूद मुंशीगंज एसएचओ समेत अन्य पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब ड्रग इंस्पेक्टर कमलेश मिश्र विवादों में आए हों। कुछ ही दिन पहले अमेठी के कई मेडिकल व्यवसायियों ने उन पर अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगाए थे। इन आरोपों के बाद स्थानीय व्यापार मंडल ने भी नाराजगी जताई थी। घटना के बाद से स्थानीय लोगों और व्यापारियों में नाराजगी का माहौल है। पुलिस विभाग की ओर से मामले की जांच की बात कही जा रही ।

डीएम व एसपी ने कानून व्यवस्था व अभियोजन कार्यों को लेकर की समीक्षा बैठक

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान एवं पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक की संयुक्त अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद के समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, अभियोजन विभाग के अधिकारी सहित राजस्व और पुलिस प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी संजय चौहान ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया की प्रभावशीलता केवल मामलों के त्वरित निस्तारण से ही सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने अभियोजन कार्यों में गति लाने, लंबित मामलों को प्राथमिकता से निस्तारित कराने और स्पीडी ट्रायल को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अभियोजन से जुड़े मामलों की नियमित मॉनीटरिंग की जाए, ताकि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ऐसे मामले जो सामान्य वाद, राजस्व वाद अथवा आपराधिक प्रकृति के हैं, उन्हें विभागीय समन्वय से शीघ्र निस्तारित किया जाए। गत माह में दर्ज मामलों, उन पर लिए गए निर्णयों, डिस्पोज्ड केस और पुराने लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को नियमित समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या को कम करने हेतु अभियोजन विभाग, पुलिस विभाग और राजस्व विभाग के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। विशेषकर गम्भीर आपराधिक मामलों में साक्ष्य एवं गवाहों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी उन्होंने दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने कहा कि अपराध नियंत्रण और अभियोजन की प्रभावशीलता के लिए पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क दृष्टि रखनी होगी। उन्होंने कहा कि विवेचनाओं की गुणवत्ता बेहतर होनी चाहिए ताकि न्यायालयों में ठोस साक्ष्य प्रस्तुत कर अपराधियों को सजा दिलाई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि महिला अपराध, साइबर क्राइम और अन्य संवेदनशील मामलों को गंभीरता से लिया जाए तथा पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने हेतु प्रभावी कार्रवाई की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल चतुर्वेदी, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह, जिला अभियोजन अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारीगण, थानाध्यक्षों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंडिगो विमान का हवा में इंजन फेल, मुंबई में कराना पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से गोवा जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट की मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। इंडिगो ने बयान जारी कर कहा, 'फ्लाइट संख्या 6ई-231 को तकनीकी खराबी के कारण उसे मुंबई में प्राथमिकता के आधार पर उतारा गया है। विमान की जांच की जा रही है और यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। इंडिगो के एक विमान का एक इंजन कथित तौर पर फेल हो जाने के कारण उसे बुधवार को मुंबई हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इंडिगो विमान के उड़ान भरने के बाद पायलट ने रात करीब 9:25 बजे हवाई यातायात नियंत्रण को आपातकालीन स्थिति की सूचना दी। इसके बाद रात करीब 9:42 बजे विमान की सुरक्षित लैंडिंग मुंबई एयरपोर्ट पर कराई गई। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। कई फ्लाइट ट्रैकर्स ने दिखाया है कि इंडिगो की एक फ्लाइट ने रात करीब 8 बजे दिल्ली से गोवा के लिए उड़ान भरी लेकिन उसे मुंबई की ओर मोड़ दिया गया, जहां वह रात 10 बजे के करीब छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी।

महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गांव में पहली बार पहुंची बस

- ग्रामीणों ने तिरंगा लहराकर बस का स्वागत किया

गढ़चिरौली (एजेंसी)। गढ़चिरौली, महाराष्ट्र कभी नक्सल प्रभावित रहे गढ़चिरौली जिले के सुदूर मरकनार गांव में आजादी के बाद पहली बार सरकारी बस सेवा शुरू हुई है। जैसे ही पहली बस गांव पहुंची, ग्रामीणों ने तिरंगा लहराकर उसका स्वागत किया। मरकनार गांव भामरागढ़ उपखंड के अबूझमाड़ क्षेत्र की तलहटी में स्थित है, जो पहले नक्सलियों का गढ़ माना जाता था। खराब कनेक्टिविटी के चलते यह इलाका अब तक मुख्यधारा से कटा हुआ था। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल की पहल पर राज्य परिवहन की यह सेवा शुरू की गई है। नई बस सेवा से मरकनार के साथ-साथ मुरुंभुशी, फुलनार, कोपरशी, पोयारकोठी और गुंडुरवाही जैसे गांवों के करीब 1,200 निवासी लाभान्वित होंगे। इससे खासतौर पर छात्रों, मरीजों और अन्य यात्रियों को राहत मिलेगी। गढ़चिरौली पुलिस ने हाल के वर्षों में दूरदराज इलाकों में सड़कों और पुलों का तेजी से निर्माण किया है। बीते पांच वर्षों में जिले में 420.95 किलोमीटर लंबी 20 सड़कों और 60 पुलों का निर्माण पुलिस संरक्षण में किया गया है। इसके अलावा जनवरी 2025 को गट्टा-गरदेवड़ा-वांगेतुरी मार्ग और अप्रैल 2025 को कटेझर से गढ़चिरौली तक बस सेवाएं शुरू की जा चुकी हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 तक नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में यह परिवहन सेवा एक बड़ा कदम मानी जा रही है, जो विकास और विश्वास की नई राह खोल रही है।

सेना का जवान दुश्मन को भेज रहा था सेना की जानकारी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ी जासूसी को लेकर चल रही जांच में नया मोड़ आ गया है। पंजाब पुलिस के राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ एसएएस नगर ने भारतीय सेना के सेवारत जवान देविंदर सिंह को गोपनीय सैन्य जानकारी लीक करने में कथित तौर पर मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी 14 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी में की गई थी। इससे पहले इस मामले में गिरफ्तार किए गए पूर्व सैनिक गुरप्रीत सिंह उर्फ गुरी या फौजी ने भी खुलासा किया था। एआईजी के मुताबिक संगरूर जिले के निहालगढ़ निवासी देविंदर सिंह ने गुरप्रीत के फिरोजपुर जेल में बंद रहने के दौरान भारतीय सेना के दस्तावेज़ हासिल करने में भूमिका निभाई थी। माना जा रहा है कि इन दस्तावेज़ों में संवेदनशील रक्षा जानकारी शामिल थी और कथित तौर पर इन्हें पाकिस्तान की आईएसआई को भेजा गया था। पूछताछ से पता चलता है कि देविंदर और गुरप्रीत की पहली मुलाकात 2017 में पुणे में सैन्य प्रशिक्षण के दौरान हुई थी और वे सिक्किम और जम्मू-कश्मीर में कई पदों पर साथ कार्यरत रहे। देविंदर सिंह को 15 जुलाई को मोहाली की कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे छह दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को रोहिंग्या घुसपैठियों से मुक्त करने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग से राज्य की मतदाता सूची को रोहिंग्या घुसपैठियों से मुक्त करने की मांग की। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा विधायकों के साथ विधानसभा से लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय तक मार्च निकाला और सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। अधिकारी ने आरोप लगाया कि बंगाल में फर्जी आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र और वोटर आईडी (ईपीआईसी) कार्ड बनाने का गढ़ बन गया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को जनसंख्या संतुलन की चिंता नहीं, उन्हें सिर्फ वोटर लिस्ट की चिंता है। उन्होंने कहा कि ममता सरकार रोहिंग्या की पहचान के चल रहे काम में बाधा डाल रही है, ताकि अपने वोट बैंक को सुरक्षित रख सके। भाजपा नेता अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लगभग सभी हिस्सों में रोहिंग्या मुसलमानों की मौजूदगी है। उन्होंने मांग की कि बिहार की तरह बंगाल में भी रोहिंग्या को वोटर लिस्ट से हटाया जाए और इसके लिए तत्काल घर-घर जाकर सर्वे कराया जाए। शुभेंदु अधिकारी ने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता की बात कही। साथ ही कहा कि सीईओ को राज्य और केंद्र सरकार के कम से कम 50 फीसद कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात करने चाहिए। अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है।

अहमदाबाद विमान हादसा: पूरी जांच से पहले कैप्टन को दोष देना बिल्कुल गलत

अमेरिकी मीडिया ने लिखी एआई-171 की नई कहानी, तो मिला तगड़ा जवाब

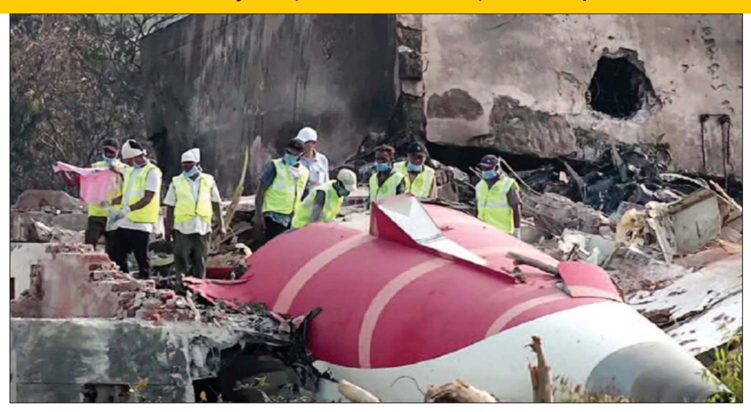

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पायलट महासंघ (एफआईपी) ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) में प्रकाशित एक लेख की कड़ी आलोचना की है, जिसमें अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया हादसे के लिए कैप्टन को गलत तरीके से दोषी ठहराने का आरोप लगाया गया है। डब्ल्यूएसजे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह दुर्घटना विमान में ईंधन नियंत्रण स्विच की गति से जुड़ी पायलट की गलती का परिणाम थी। एफआईपी प्रमुख सीएस रंधावा ने अमेरिकी मीडिया संस्थान की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले हफ्ते जारी विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जाँच रिपोर्ट में दुर्घटना के लिए पायलटों को दोषी नहीं ठहराया गया है।

रिपोर्ट में कहीं भी यह उल्लेख नहीं किया गया है कि पायलट की गलती के कारण ईंधन नियंत्रण स्विच बंद हो गया था। मैं वॉल स्ट्रीट जर्नल के लेख की निंदा करता हूँ। उन्होंने कहा कि यह पायलट की गलती थी। उन्होंने रिपोर्ट को ठीक से नहीं पढ़ा है, और हम एफआईपी के माध्यम से उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे, 'रंधावा ने समाचार एजेंसी को बताया। उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से हैं। मैंने वॉल स्ट्रीट जर्नल को अपनी राय नहीं दी, जिसने मुझसे भी संपर्क किया था, क्योंकि मैं इस अमेरिकी मीडिया के खिलाफ हूं। वे जानबूझकर इस रिपोर्ट से अपनी राय, अपने विचार दे रहे हैं, जबकि रिपोर्ट में ऐसा कुछ भी नहीं है। इसलिए मैं वॉल स्ट्रीट जर्नल की इस रिपोर्ट की बहुत कड़ी निंदा करता हूं और हम इस पर कार्रवाई करेंगे।

एएआईबी रिपोर्ट से क्या पता चला?

एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि उड़ान भरने के तुरंत बाद दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच रन की बजाय कट-ऑफ स्थिति में पाए गए थे। रिपोर्ट में पायलटों के बीच हुई एक संक्षिप्त लेकिन भयावह बातचीत का हवाला दिया गया ह। जिसमें एक ने पूछा आपने ईंधन क्यों बंद किया। दूसरे ने जवाब दिया, मैंने ऐसा नहीं किया। हालाँकि, रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किस पायलट ने क्या बयान दिया, न ही यह बताया गया कि यह कृत्य जानबूझकर किया गया था या दुर्घटनावश।

भाजपा अध्यक्ष के नाम पर संघ और भाजपा के बीच नहीं बन पा रही सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय से भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का इंतजार किया जा रहा है। लेकिन भाजपा को नया अध्यक्ष नहीं मिल पा रहा है। इसकी मूल वजह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। सूत्र के मुताबिक हाल ही में दो-दो केंद्रीय मंत्रियों के नाम भाजपा अध्यक्ष के पद के लिए आरएसएस को भेजे गए थे, लेकिन उनमें से किसी के नाम पर भी सहमति नहीं बन सकी है।

इससे पहले खबर आई थी कि भाजपा अपने इतिहास में पहली बार किसी महिला नेता के हाथों में पार्टी की कमान सौंप सकती है। उनमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का नाम प्रमुख था। इसके अलावा दो और केंद्रीय मंत्रियों के नाम इस रेस में थे, जनमें मनोहर लाल खट्टर और शिवराज सिंह चौहान शामिल हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम के चयन के साथ-साथ भाजपा के लिए देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के अगले प्रदेश अध्यक्ष के नाम की भी चुनौती बनी हुई है। सूत्रों का कहना है कि यूपी में भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति पर भी अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के बीच सहमति नहीं बन सकी है। भाजपा की तरफ से केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव का नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भेजा गया था। दोनों ही नेताओं को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है। आरएसएस का मानना है कि भाजपा को 2029 के बाद के युग के लिए तैयार करना जरूरी है। संघ भाजपा के लिए अगली और एक नई पीढ़ी तैयार करना चाहता है। आरएसएस चाहता है कि भाजपा को एक रबर स्टांप अध्यक्ष की जगह एक मजबूत नेतृत्व मिले जिसे पार्टी के कार्यकर्ता भी पसंद करते हों। वह नरेंद्र मोदी के बाद भाजपा को संभालने में सक्षम हो। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, आरएसएस और भाजपा के वर्तमान नेतृत्व के बीच तीन दौर की बैठकों के बाद भी सहमति नहीं बनी है। आगे और चर्चा होनी है।

पहलगाम हमले के आंतकियों की हुई पहचान...जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा: उपराज्यपाल सिन्हा

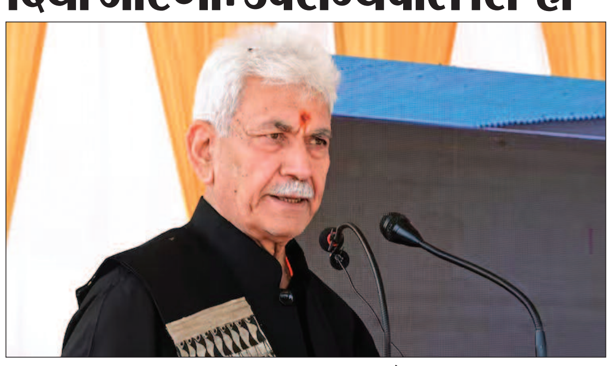

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की पहचान हो गई है और जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि कश्मीर घाटी में शांति भंग करने की कोई भी कोशिश कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के द्वारा पाकिस्तान को कड़ी प्रतिक्रिया मिली। हमले को अंजाम देने वालों की पहचान कर ली गई है और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अब उनका जिंदा रहना मुश्किल है। बहुज जल्द अच्छी खबरें जरूर आएगी, लेकिन कोई निश्चित तारीख बताना अभी उचित नहीं होगा। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि पिछले पांच साल में विभिन्न आतंकवादी संगठनों के शीर्ष आका भी अब जिंदा नहीं रहे और उनका (आतंकियों का) भी यही हश्र होगा।

बता दें कि पिछले दिनों एक साक्षात्कार में सिन्हा ने कहा था कि वे पहलगाम हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। इस पर प्रतिक्रिया देकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि उपराज्यपाल सिन्हा ने देर से ही सही, लेकिन आखिरकार स्वीकार किया कि पहलगाम हमले के लिए खुफिया विफलता जिम्मेदार थी। उन्होंने इस आतंकवादी हमले के सिलसिले में जिम्मेदारी तय करने का आह्वान किया, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। उमर ने कहा, 80 दिन बाद ही सही, लेकिन देर आए दुरुस्त आए। हमने यह (पहले) नहीं कहा, जबकि हम जानते थे कि इतना बड़ा हमला (खुफिया) विफलता के बिना नहीं हो सकता।

महाराष्ट्र विधानसभा में हनीट्रैप प्रकरण को लेकर विपक्ष हमलावार... उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कार्रवाई का भरोसा दिया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा में गुरुवार को तथाकथित हनीट्रैप प्रकरण को लेकर हंगामा मच गया है। महाराष्ट्र सरकार पर कार्रवाई न करने और मामले को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाकर विपक्षी दलों ने विधानसभा से वॉकआउट किया। यह मुद्दा सबसे पहले कांग्रेस नेता नाना पटोले ने उठाया। उन्होंने इस गंभीर मामले की जांच और ठोस कार्रवाई की मांग की थी। बीतों दिन विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने फडणवीस सरकार को निर्देश दिया था कि इस पर उचित कार्रवाई कर सदन को जवाब दिया जाए।

कांग्रेस नेता पटोले ने गुरुवार को फिर से मामले को उठाया। उनकी मांग का एनसीपी-एसपी नेता जयंत पाटिल और शिवसेना (उद्धव गुट) के विधायक भास्कर जाधव ने समर्थन किया। इसके बाद अध्यक्ष नार्वेकर ने सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए कि शुक्रवार को अधिवेशन के समाप्त होने से पहले मुद्दे पर कार्रवाई कर सदन को जानकारी दी जाए। इस पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सहमति जताकर कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

हालांकि, विपक्ष का कहना है कि सरकार इस संवेदनशील विषय को लेकर ढीलापन दिखा रही है और जनता के साथ न्याय नहीं कर रही है। इन आरोपों के बाद विपक्षी विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

दरअसल, कुछ दिन पहले महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में उच्च पदस्थ अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों को कथित तौर पर हनीट्रैप में फंसाने का मामला आया था। यह खुलासा तब हुआ, जब कुछ अधिकारियों की ओर से पुलिस में शिकायतें दी गईं। दावा है कि उच्च पदस्थ अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाकर उनसे रंगदारी वसूलने की कोशिश की गई थी।

एडवाइजरी: ईरान में गैर-जरूरी यात्रा से बचें भारतीय नागरिक, निकलने के लिए सेवाएं मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य-पूर्व में बने हुए तनाव के बीच भारत ने ईरान में अपने नागरिकों के लिए एक जरूरी परामर्श जारी किया है। जिसमें उन्हें उभरते हुए हालातों को देखते हुए ईरान में किसी भी प्रकार की गैर-आवश्यक यात्रा न करने की सलाह दी गई है। यह जानकारी ईरान में भारतीय दूतावास ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए दी है। जिसमें कहा गया है कि बीते कुछ सप्ताहों से बने हुए सुरक्षा घटनाक्रमों के बीच भारतीय नागरिक ईरान में अपनी तमाम गैर-जरूरी यात्राओं से बचें और लगातार क्षेत्रीय गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। इसके अलावा ईरान में किसी भी यात्रा से पहले भारतीय अधिकारियों-प्राधिकारियों द्वारा जारी किए जाने वाले अपडेटेड परामर्श पर ध्यान दें। मालूम हो कि दूतावास का यह परामर्श इजरायल-ईरान युद्ध से जुड़ा हुआ है। जिसमें अभी फिलहाल दोनों देशों के बीच युद्धविराम लागू (13 जून 2025 से) है। लेकिन क्षेत्र में हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। इसलिए ये कहना मुश्किल है कि युद्ध के बीच बनी हुई यह अस्थायी शांति कब तक कायम रहेगी। दोनों देशों के मध्य तनाव के बीच भारत ने बातचीत और कूटनीति के जरिए समस्या के समाधान पर जोर दिया है।

दूतावास के मुताबिक, ईरान में मौजूद भारत के नागरिक अगर इस संवेदनशील परिस्थिति के बीच वहां से बाहर निकलना चाहते हैं। तो उनके लिए वाणिज्यिक उड़ान सेवाओं के साथ ही नौका सेवा का विकल्प भी मौजूद है। ईरान में भारतीयों की कुल संख्या करीब 10 हजार है। जिसमें मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों की तादाद अधिक है। वहीं, मौजूदा तनाव के बीच भारत ने ऑपरेशन सिंधु के जरिए बीते समय में 800 से अधिक भारतीयों की ईरान से सुरक्षित स्वदेश वापसी कराई है। यह अभियान फिलहाल जारी है, भारत की ईरान के समूचे घटनाक्रम पर पैनी नजर बनी हुई है। पिछले मंगलवार को चीन के तियानजिन में आयोजित किए गए शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों की एक मुलाकात भी हुई थी। जिसे लेकर डॉ.जयशंकर ने प्रसन्नता जाहिर की थी। ऑपरेशन सिंधु के दौरान भारत को ईरान का पूरा सहयोग मिला था और उसने भारत के नागरिकों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए अपनी हवाई सीमा-क्षेत्र भी खोल दिया था। जिसे इजरायल के साथ युद्ध की वजह से बंद कर दिया गया था।

हरियाणा में 12 घंटे में दो बार आया भूकंप, नुकसान की सूचना नहीं

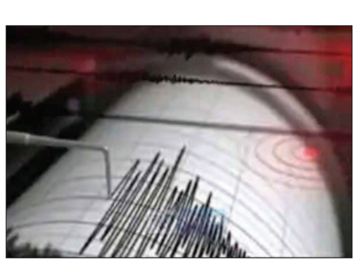

कोलकाता (एजेंसी)। चंडीगढ़,(ईएमएस)। हरियाणा में गुरुवार दोपहर भूकंप आया। इसका केंद्र झज्जर जिले के गांव दुल्हेड़ा के पास था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.5 मापी गई। इससे पहले रोहतक में बुधवार-गुरुवार देर रात 12:46 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके लगते ही लोगों की नींद खुल गई और वह घरों से बाहर आ गए। हालांकि किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन रात भर डर का माहौल था।

जानकारी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। इस भूकंप से जमीन के 10 किलोमीटर नीचे गहराई में हलचल हुई। इसका केंद्र रोहतक का गांव भालौठ के नजदीक का क्षेत्र था। प्रदेश में पिछले 20 दिन में पांच बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के लिहाज से हरियाणा में 12 जिले संवेदनशील हैं। इनमें रोहतक, पानीपत, करनाल, महेंद्रगढ़, पंचकूला, अंबाला, सोनीपत, गुरुग्राम, झज्जर, नूंह, पलवल और फरीदाबाद शामिल हैं।

बत दें महेंद्रगढ़ जिले में 27 जून की शाम को भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक उस दिन भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 मापी गई। जिसकी गहराई 5 किलोमीटर थी। 10 जुलाई को सुबह 9 बजकर 5 मिनट पर भूकंप आया था। करीब 10 सेकेंड तक झटके लगे थे। इसका केंद्र झज्जर था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 थी। भूकंप के झटके गुरुग्राम, रोहतक, पानीपत, झज्जर, हिसार, रेवाड़ी में महसूस किए गए थे।

वहीं 11 जुलाई को शाम 7 बजकर 49 मिनट पर झटके लगे। इसका केंद्र भी झज्जर रहा। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 रही, जिसका असर गुरुग्राम, रोहतक, जींद, रेवाड़ी, सोनीपत और झज्जर में दिखा। 16-17 जुलाई की रात 12.46 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका केंद्र रोहतक रहा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। इसमें किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। वहीं आज यानी गुरुवार को दोपहर 12:34 बजे भूकंप आया। इसका केंद्र झज्जर में रहा। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 2.5 मापी गई। इसका केंद्र 5 किलोमीटर की गहराई में था।

धर्मांतरण की जड़ों की तलाश-ईडी ने उप्र से मुंबई तक छांगुर बाबा के 14 ठिकानों पर मारे छापे

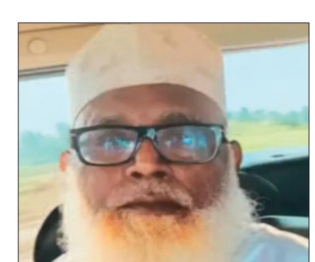

मुंबई (एजेंसी)। अवैध धर्मांतरण के आरोप में फंसे यूपी के जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किल और बढ़ती जा रही हैं। बाबा की करतूतों की जड़े कहां-कहां फैली हैं फिलहाल अंदाजा लगाना कठिन है। ऐसी ही तलाशी को लेकर बाबा के ठिकानों पर गुरुवार तड़के ईडी ने बड़ी कार्रवाई की। सात टीमों ने बलरामपुर जिले के उतरोला और मुंबई में दो स्थानों पर छापा मारा। इस दौरान उसकी कोठी दो अन्य मकान का कोना कोना खंगाला। टीम दोपहर में तहसील भी जाएगी और कई कर्मचारियों से पूछताछ करेगी। एटीएस ने पांच जुलाई को छागुर और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को गिरफ्तार किया था। एक साल में 100 करोड़ के लेनदेन की बात सामने आई थी।

इस पर तीन दिन बाद ईडी ने दोनों आरोपितों के खिलाफ मुक़दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। बलरामपुर पुलिस और प्रशासन के साथ एटीएस से काफ़ी ब्योरा ईडी ने लिया था। कई तथ्य और दस्तावेज मिलने के बाद ईडी ने ये छापेमारी की है। ईडी की ये कार्रवाई अन्य जिलो में भी होगी। सूत्रो के मुताबिक ईडी उतरौला तहसील के कुछ कर्मचारियों के ख़िलाफ़ भी बड़ी कार्रवाई कर सकती है। वहीं धर्मांतरण के आरोपी छांगुर से जुड़े प्रकरण में एक युवक की तलाश में एटीएस गोण्डा पहुंच गई। यहां पता चला कि इस युवक की मौत हो चुकी है। उसके बारे में कई जानकारियां जुटाई। इन लोगों ने बताया कि गोण्डा में धर्मांतरण कराने के दौरान बजरंग दल के कुछ लोगों ने विवाद कर दिया था तब वह जेल गया था। धानेपुर इलाके के रेतवागाड़ा गांव के रहने वाले मोहर्रम अली उर्फ आजाद ने बताया कि वह कव्वाली और जागरण करते थे। उनके बड़े भाई रमजान अली ढोल बजाते थे। वर्ष 2023 में रमजान उतरौला के कुछ लोगों के साथ आजमगढ़ में एक कार्यक्रम में गये थे। वहां रात में प्रोग्राम के दौरान बजरंग दल के कुछ लोग पुलिस के साथ आ गए। इन लोगों ने आयोजन में धर्मांतरण कराने का आरोप लगाकर हंगामा किया। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनके भाई को गिरफ्तार कर जेल में भेज दिया। आठ महीने तक वह जेल में रहा। तीन जनवरी 2024 को जमानत पर बाहर आया था। इसके बाद उसकी तबीयत खराब रहने लगी और चार मार्च, 2024 को मौत हो गई थी। छांगुर के मददगारों की तलाश के दौरान रमजान का नाम भी एटीएस के सामने आया। एटीएस का कहना है कि रमजान नाम के एक शिक्षक की तलाश में गई थी।

भारत आ रहा हवाई टैंक अपाचे... इस सप्ताह से शुरु होगी डिलेवरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से अपाचे अटैक हेलिकॉप्टरों की डिलेवरी इसी सप्ताह से शुरु होने जा रही है। पहली खेप के तहत कुल तीन अपाचे हेलिकॉप्टर मिलने हैं, जो रात के अंधेरे में भी टारगेट को खोजने और मार करने में सक्षम है। अमेरिकी सेना में लंबे समय से तैनात इन हेलिकॉप्टरों की काफी डिमांड रही है। अब तक करीब 20 देशों को अमेरिका की ओर से इन हेलिकॉप्टरों की डिलिवरी कर चुका है। सूत्रों के अनुसार भारत इन हेलिकॉप्टरों को पाकिस्तान से लगती सीमा पर तैनात करने की तैयारी में है। 2 जुलाई को ही खबर आई थी कि इन हेलिकॉप्टरों की डिलिवरी का इंतजार खत्म होगा और इसी महीने ये भारत आ सकते हैं।

इन अपाचे हेलिकॉप्टरों को हवाई टैंक भी कहा जाता है। अमेरिका से आने वाले एएच-64ईएस अपाचे हेलिकॉप्टरों की लैंडिंग गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर होगी। भारतीय सेना की ओर से इन हेलिकॉप्टरों के लिए अलग से बेड़ा पहले ही तैयार कर लिया है। जोधपुर में 15 महीने पहले ही इसकी शुरुआत हो चुकी है। लेकिन हेलिकॉप्टरों की डिलिवरी अटक गई थी। इसकी वजह थी कि दुनिया के भू-राजनीतिक समीकरण बदल गए और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन भी ट्रेड टैरिफ आदि में व्यस्त था। बता दें कि पहले ही इंडियन एयरफोर्स के पास दो स्क्वैड्रन पठानकोट और जोरहाट में सक्रिय हैं।

बता दें कि 2015 में भी भारत सरकार ने 22 अपाचे हेलिकॉप्टरों की डील अमेरिका से की थी। उस ऑर्डर की पूरी डिलिवरी अमेरिका की ओर से जुलाई 2020 में की गई थी। इसके बाद 2020 में भारत ने 6 हेलिकॉप्टर और खरीदने की डील की थी। इसके तहत पहली खेप की डिलिवरी मई से जून 2024 के बीच होनी थी। लेकिन इसमें देरी होती गई। बता दें कि अमेरिकी कंपनी बोइंग और टाटा की ओर से भी एक जॉइंट वेंटर हैदराबाद में चल रहा है। यहां तैयार किया गया एक अपाचे हेलिकॉप्टर 2023 में भारतीय सेना को मिला था। इस हेलिकॉप्टर की खासियत यह है कि अंधेरे में भी यह अटैक कर सकता है। इसके अलावा किसी भी मौसम में यह सटीक डेटा हासिल कर सकता है। इन हेलिकॉप्टरों में नाइट विजन नेविगेशन सिस्टम है। इसके माध्यम से रात के अंधेरे में भी टारगेट की तलाश की जा सकती है। बता दें कि अपाचे हेलिकॉप्टरों को ना सिर्फ आक्रमण के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है बल्कि इन्हें सुरक्षा और शांति ऑपरेशनों के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है।

दीप्ति ने पहले वनडे में भारत को दिलाई जीत, इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट से जीता मैच

साउथम्प्टन (एजेंसी)। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अपने बल्लेबाजी कौशल और धैर्य का शानदार परिचय देते हुए नाबाद अर्धशतक जड़ा जिससे भारत ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट से जीत दर्ज की।

दीप्ति ने 64 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 62 रन बनाए जिससे भारत ने 259 रन का लक्ष्य 10 गेंद शेष रहते हुए हासिल कर दिया। इस तरह से भारत ने वनडे विश्व कप के लिए अपनी तैयारी की अच्छी शुरुआत भी की। दीप्ति ने अपनी पारी के दौरान जेमिमा रोड्रिग्स (54 गेंदों पर 48 रन) के साथ 14.2 ओवर में पांचवें विकेट के लिए 90 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। अंतिम ओवरों में ऑलराउंडर अमनजोत कौर (14 गेंदों पर 20 रन) ने भी अहम योगदान दिया।

भारत की तरफ से सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल (36), उप कप्तान स्मृति मंधाना (28), हरलीन देओल (27) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (17) अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाई जिससे भारत का स्कोर एक समय चार विकेट पर 124 रन हो गया था। इसके बाद दीप्ति और रोड्रिग्स ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली।

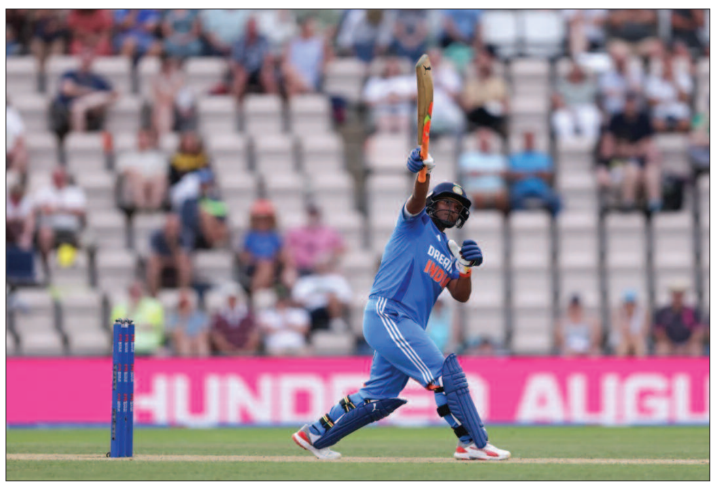

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत दीप्ति के प्रदर्शन से काफी खुश थीं और उन्होंने रोड्रिग्स की भी तारीफ की जो दो रन से अर्धशतक से चूक गईं। उन्होंने कहा, 'हमने जिस तरह की गेंदबाजी की, उससे मैं खुश हूं। हमने जिस तरह की बल्लेबाजी की, उससे भी बहुत खुश हूं, खासकर दीप्ति से। उसकी पारी अहम थी। हमें लगा कि हमने 20-30 रन ज़्यादा दे दिए। यह बल्लेबाज़ी के लिए अच्छा विकेट था। हम फ़ील्डिंग पर काम कर रहे हैं, हमने आज दो मौके गंवाए। हम बेहतर करने की कोशिश करेंगे। जेमी और दीप्ति ने जिस तरह से धैर्य पूर्ण बल्लेबाजी की उसका पूरा श्रेय उन्हें जाता है।'

इससे पहले भारत की युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने दो विकेट झटककर प्रभावित किया लेकिन सोफिया डंकले की 92 गेंद में नाबाद 83 रन की पारी की मदद से इंग्लैंड ने छह विकेट पर 258 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। गौड़ (नौ ओवर में 55 रन देकर दो विकेट) और ऑफ स्पिनर स्नेह राणा (10 ओवर में 31 रन देकर दो विकेट) ने दो दो विकेट झटके। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद उसने 97 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे लेकिन एलिस डेविडसन रिचर्ड्स ने 73 गेंद में 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और डंकले के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 106 रन की भागीदारी निभाई। डंकले ने अपनी पारी में नौ चौके लगाए।

'मैंने यह ऋषभ पंत से सीखा है', दीप्ति शर्मा ने एक हाथ से लगाए छक्के का श्रेय पंत को दिया

साउथेम्प्टन (यूके)। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ पहले वनडे में अपनी शानदार पारी पर बात की, जहां वह जेमिमा के साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रही थीं और ऐसे ही मौके का इंतजार कर रही थीं। दीप्ति शर्मा के शानदार अर्धशतक और ऑलराउंडर स्नेह राणा के शानदार स्पेल ने गुरुवार को साउथेम्प्टन में तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में इंग्लैंड पर चार विकेट से जीत हासिल करने में भारत की अहम भूमिका निभाई। भारतीय महिला टीम ने अब अपने पिछले 12 वनडे में से 11 जीते हैं, और यह सिलसिला दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हुआ था। दीप्ति शर्मा ने मैच के बाद कहा, 'मैं ऐसे ही मौके का इंतजार कर रही थी। मैं जेमिमा के साथ साझेदारी बनाना चाहती थी, लगातार 5-6 रन प्रति ओवर बनाना चाहती थी। (उनके स्वीप शॉट्स पर) मैंने शुरुआती दिनों में इस पर काफी काम किया है, और इस तरह की पिच पर इससे मदद मिलती है। (एक हाथ से छक्का लगाने पर) मैं ये शॉट अभ्यास में खेलती हूं, मैंने ये ऋषभ पंत से सीखा है। हम पहले भी इंग्लैंड में खेल चुके हैं, हमें इन परिस्थितियों में मजा आता है।' दीप्ति शर्मा इस मैच में भारत की ओर से सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं और उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। दीप्ति के नाबाद 62 रन भारतीय महिला टीम के लिए वनडे में छठे या उससे नीचे के क्रम पर रनों का पीछा करते हुए बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ वेदा कृष्णमूर्ति के 52* रन (विजयवाड़ा, 2016) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

बांग्लादेशी स्पिनर महेदी हसन की शानदार गेंदबाजी, हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। स्पिनर महेदी हसन ने बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच निर्णायक टी20आई मैच में 4-1-11-4 के औसत से शुरुआत की जिससे टाइगर्स ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में मैच और सीरीज दोनों जीतते हुए इतिहास रच दिया। एक छोर से गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए महेदी ने हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। महेदी ने पावरप्ले में दो ओवर फेंकते हुए किफायती चार विकेट लिए जिससे उन्होंने श्रीलंका के शीर्ष 5 बल्लेबाजों में से चार को आउट कर दिया, जिससे श्रीलंकाई टीम कोलंबो में निर्णायक मैच में सिर्फ 132/7 पर सिमट गई।

महेदी ने अपने शानदार स्पेल के जरिए आर प्रेमदासा स्टेडियम में टी20आई मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेहमान गेंदबाज होने का हरभजन का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरभजन ने 2012 के टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया था और केवल 12 रन देकर 4 विकेट लिए थे जबकि महेदी ने 4 विकेट के लिए 11 रन दिए।

किसी गेंदबाज के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का रिकॉर्ड इस भारतीय स्पिनर के नाम था, लेकिन 2021 की सीरीज में वानिंदु हसरंगा ने 4-9 के उल्लेखनीय आंकड़े के साथ भारतीय के रिकॉर्ड को तहस-नहस कर दिया। जोश हेजलवुड (4-16) और महेदी के हमवतन मुस्तफिजुर रहमान (4-21) जैसे खिलाड़ियों ने पिछले कुछ वर्षों में मेहमान खिलाड़ियों के रूप में हरभजन के रिकॉर्ड को चुनौती दी है, लेकिन बांग्लादेशी स्पिनर ने इसे तोड़ा।

महेदी ने तीसरे नंबर पर आए कुसल परेरा के विकेट के साथ शुरुआत की जो पारी के दूसरे ओवर में गोल्डन डक पर आउट हो गए। स्पिनर ने पावरप्ले के पांचवें ओवर में दिनेश चांदीमल का विकेट लिया, इसके बाद श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका का भी विकेट लिया और उस समय 46 रन पर खेल रहे सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका की गेंद पर कैच एंड बोल्ड आउट हुए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगे आंद्रे रसेल

किंग्स्टन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल 22 जुलाई को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद अपने 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह देंगे। रसेल की सबसे बड़ी उपलब्धि 2012 और 2016 में टी20 विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम का सदस्य होना है। वह 2019 से केवल टी20 प्रारूप में ही खेल रहे हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज का 84 टी20 अंतरराष्ट्रीय, 56 वनडे और एक टेस्ट मैच में प्रतिनिधित्व किया है।

जमैका के इस 37 वर्षीय खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में चुना गया था, लेकिन वह अपने अंतिम दो अंतरराष्ट्रीय मैच 20 और 22 जुलाई को अपने घरेलू मैदान सबीना पार्क में खेलेंगे। रसेल ने भारत और श्रीलंका में 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप से सिर्फ सात महीने पहले अपने फैसले की घोषणा की।

रसेल ने क्रिकेट वेस्टइंडीज द्वारा जारी बयान में कहा, 'मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन की सबसे गौरवपूर्ण उपलब्धियों में से एक है।% इस आक्रामक ऑलराउंडर ने 84 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 61 विकेट लिए हैं और 1078 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के 30 साल की उम्र से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने की घोषणा के एक महीने बाद वह संन्यास ले रहे हैं।

चौथे टेस्ट से कटेगा करुण नायर का पत्ता! इस युवा बल्लेबाज को मिल सकता है मौका

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। वहीं पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती तीन मैचों में भारत के ज्यादातर बल्लेबाजों ने बड़े रन बटोरे हैं लेकिन करुण नायर को दूसरा मौका दिया फिर भी वह उसे भूना नहीं पाए। चौथे टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन तय होने पर सिर्फ उन्हीं का नाम हट सकता है। आठ साल बाद टीम इंडिया के लिए वापसी कर रहे करुण नायर ने अपनी 6 पारियों में से ज्यादातर में अच्छी शुरुआत की लेकिन वह उसे बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए।

वहीं पूर्व भारतीय विकेटकीपर दीप दासगुप्ता का कहना है कि सुदर्शन को वापस लाने का समय आ गया है। लॉर्ड्स में दूसरी पारी में वह ब्रायडन कार्स की अंदर आती गेंद की लाइन एंव लेंथ का

सही अनुमान नहीं लगा पाए और आउट हो गए। तीसरे नंबर पर भारत को नायर से मजबूती दिलाने की उम्मीद थी क्योंकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का पहाड़ खड़ा करने के बाद राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। भारत पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है और अगला मैच अभी एक हफ्ते दूर हे, ऐसे में प्रबंधन को फैसला लेना होगा कि नायर के साथ बने रहें या फिर युवा साई सुदर्शन को मौका दिया जाए। जिन्हें अपने पहले मैच के बाद अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया था। बाहर किए गए बाएं हाथ के इस बेहतरीन बल्लेबाज कोई बड़ी गलती नहीं की और ऐसा आठवें नंबर पर एक अतिरिक्त बल्लेबाजी विकल्प को शामिल करने के लिए किया गया।

दासगुप्ता ने पीटीआई से कहा कि, आप अब भी सीरीज में बने हुए हैं क्योंकि लॉर्ड्स टेस्ट मैच भी बेहद करीबी था। नतीजा किसी भी तरफ जा सकता था। उन्होंने कहा कि, लेकिन मैं तीसरे नंबर पर देख रहा हूं। क्या करुण नायर अब भी खेलते रहेंगे या आप साई सुदर्शन जैसे युवा खिलाड़ी को खिलाना चाहेंगे। जो पहले टेस्ट मैच की आखिरी पारी में सहज दिखे थे?

जडेजा इंग्लैंड में 1000 रन बनाने के करीब पहुंचे

लंदन। भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एक और कीर्तिमान के करीब पहुंच गए हैं। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए, हालांकि भारत यह मुकाबला 22 रन से हार गया। यह जडेजा का इंग्लैंड में लगातार चौथा अर्धशतक था, जिसमें बर्मिंघम और लॉर्ड्स दोनों में जुड़वां फिफ्टी शामिल हैं। इस तरह वे सौरव गांगुली और ऋषभ पंत के क्लब में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड में लगातार चार बार 50+ स्कोर बनाए थे। लॉर्ड्स टेस्ट की चौथी पारी में यह जडेजा का पहला अर्धशतक रहा। इंग्लैंड में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने अब तक 942 रन बना लिए हैं, जिससे वह वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर गैरी सोबर्स (1097 रन) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। इस दौरान जडेजा ने एक शतक और सात अर्धशतक लगाए हैं। भारत की दूसरी पारी में सातवां विकेट गिरने के बाद टीम ने 301 गेंदें खेलीं, जो टेस्ट की चौथी पारी में अंतिम तीन साझेदारियों में सबसे अधिक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 294 गेंदों का था, जो इंग्लैंड ने 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ बनाया था। जडेजा और जसप्रीत बुमराह ने 22 ओवर तक साझेदारी निभाई, जो पिछले दस वर्षों में भारत के लिए 9वें या 10वें विकेट के लिए सबसे लंबी साझेदारी रही।

कैफ का चौकाने वाला दावा: इंग्लैंड ने बुमराह को चोटिल करने की रची थी साजिश

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने लॉर्ड्स टेस्ट को लेकर एक चौंकाने वाला दावा किया है। उनके अनुसार, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने जानबूझकर जसप्रीत बुमराह को चोटिल करने की साजिश रची थी। लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए इस मैच की आखिरी पारी में जसप्रीत बुमराह ने बेहद साहसिक बल्लेबाजी की थी और रविंद्र जडेजा के साथ मिलकर इंग्लैंड की जीत की उम्मीदों को झटका देना शुरू कर दिया था। भारत को 193 रनों का लक्ष्य मिला था और आखिरी विकेट के लिए बुमराह-जडेजा की जोड़ी डटकर खेल रही थी, तभी इंग्लैंड ने आक्रामक रणनीति अपनाई। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि जैसे-जैसे भारतीय जोड़ी लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी, इंग्लैंड खेमे में घबराहट बढ़ती जा रही थी। इसी दबाव में स्टोक्स और आर्चर ने बुमराह पर बाउंसर फेंकने की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि अगर बुमराह आउट नहीं होते, तो उनका इरादा उन्हें चोटिल करने का था। कैफ के मुताबिक, गेंदबाजों के दिमाग में अकसर यह बात रहती है कि विरोधी टीम के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी को किसी तरह चोट पहुंचाकर बाहर किया जाए। यही सोच इंग्लैंड के गेंदबाजों की भी थी, जो अंत में सफल रही और बुमराह का विकेट गिर गया। इस साझेदारी के दौरान बुमराह ने 54 गेंदों का सामना किया और केवल 5 रन बनाए, लेकिन उनका विकेट इंग्लैंड के लिए सबसे अहम साबित हुआ। भारत यह मैच 22 रनों से हार गया और सीरीज में इंग्लैंड ने 2-1 की बढ़त बना ली। कैफ ने यह भी बताया कि इंग्लैंड ने मोहम्मद सिराज को भी निशाना बनाने की कोशिश की थी और एक बार तो उनके कंधे पर गेंद लगी थी।

प्रो लीग में खराब प्रदर्शन भारतीय टीम के लिए एक चेतावनी: श्रीजेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व महान हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश का मानना है कि एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का खराब प्रदर्शन अगस्त में होने वाले एशिया कप से पहले एक चेतावनी है।

श्रीजेश ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए, हमने मैदान पर कड़ी टक्कर दी, लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि परिणाम हमारे खिलाफ जाता है। यह परिणाम एशिया कप और अगले साल होने वाले विश्वकप और एशियाई खेलों जैसे अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले हमारे लिए एक चेतावनी है।'

भारत एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में लगातार सात हार के बाद अंक तालिका में आठवें स्थान पर रहा था। एशिया कप 2025 राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। हॉकी विश्वकप 2026 बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 14 से 30 अगस्त तक खेला जायेगा। एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर, 2026 तक आयोजित होंगे। श्रीजेश ने इस बात पर खुशी जताई कि अधिक से अधिक लोग स्वस्थ रहने के लिए दौड़ को अपना रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'प्रत्येक वर्ष अधिक लोग इसमें शामिल हो रहे हैं और दौड़ना (दिल्ली हाफ मैराथन में) और भी लोकप्रिय होता जा रहा है, यह रोमांचक है, लोगों को स्वयं को चुनौती देनी चाहिए और लय में आना चाहिए।' भारत की पुरुष राष्ट्रीय अंडर-21 टीम के मुख्य कोच ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका मुख्य काम यह

सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ी दबाव से निपटना सीखें। उन्होंने कहा, 'एक कोच के रूप में मेरा काम खिलाड़ियों पर से दबाव कम करना है। मैं उन्हें बताता हूँ कि जूनियर विश्वकप के दौरान लगभग 10 हजार लोग आपका उत्साहवर्धन करेंगे और चिल्लायेंगे, इन बातों को स्वीकार करें। एक कोच होने के नाते खिलाड़ियों के साथ अपने खेल के अनुभव को साझा करना बहुत महत्वपूर्ण है।' पुरुष एफआईएच हॉकी जूनियर विश्वकप 2025 चेन्नई में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज-पाकिस्तान मैच फॉर्मेट को लेकर नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच अगस्त में प्रस्तावित क्रिकेट सीरीज को लेकर दोनों देशों के बोर्डों में असहमति का माहौल बन गया है। 1 से 12 अगस्त तक अमेरिका और कैरेबियाई द्वीपों में दोनों टीमों को तीन-तीन टी20 और वनडे मैच खेलने हैं, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि यह पूरी सीरीज केवल टी20 प्रारूप में खेली जाए। इसके विपरीत वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इस मांग को स्वीकार नहीं कर रहा और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी मैच कराने पर अड़ा है। पाकिस्तान का तर्क है कि अगले साल भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप होना है, ऐसे में टीम को ज्यादा से ज्यादा टी20 मैच खेलने चाहिए ताकि तैयारी पुख्ता की जा सके। इसी कारण पीसीबी वनडे सीरीज को भी टी20 सीरीज में बदलने का आग्रह कर रहा है। लेकिन वेस्टइंडीज की स्थिति अलग है। पिछली बार जब भारत में वनडे विश्व कप खेला गया था, तो वेस्टइंडीज की टीम उसमें जगह नहीं बना पाई थी। इसी वजह से वह 50 ओवर के मुकाबलों को लेकर गंभीर है और इस फॉर्मेट में ज्यादा मैच खेलना चाहता है। इस विवाद पर वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेहरिंग ने कहा कि फिलहाल शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पीसीबी से बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान सिंगापुर में और चर्चा होगी। वेस्टइंडीज बोर्ड इस बात को लेकर आश्वस्त है कि त्रिनिदाद में खेले जाने वाले मैच वनडे ही होंगे और किसी बदलाव की संभावना कम है। मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार, 1, 2 और 4 अगस्त को अमेरिका के फ्लोरिडा में तीन टी20 मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि 8, 10 और 12 अगस्त को त्रिनिदाद के तारोबा में तीन वनडे मैच होंगे। दोनों बोर्डों के बीच इस फॉर्मेट विवाद का हल सिंगापुर में होने वाली बातचीत के बाद ही निकलने की उम्मीद है। अगर सहमति नहीं बनती, तो सीरीज के आयोजन पर भी असर पड़ सकता है।

ऋषभ पंत को तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है : जैक रसेले

लंदन। लंदन के एक पॉश इलाके में पेंटिंग बनाने में व्यस्त इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज जैक रसेल का मानना है कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं लेकिन उन्हें विकेटकीपिंग की कुछ तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है। रसेल को क्रिकेट जगत की खबरों पर नजर रखना पसंद है। अगर वह मैदान पर नहीं होते तो वह लाइव स्कोर देखते हैं। वह रोज पेंटिंग करते है, फिर भी उन्होंने भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के लिए लॉर्ड्स जाने का समय निकाला। खुद एक विकेटकीपर होने के नाते उनके पास जैमी स्मिथ और पंत जैसे खिलाड़ियों के लिए एक सलाह भी है। उन्होंने कहा, 'कई अच्छे विकेटकीपर रहे हैं। मैं कहूंगा कि मेरे समय में एलन नॉट और बॉब टेलर मेरे दो नायक थे।' रसेल ने कहा, 'लेकिन मुझे सैयद किरमानी को देखना पसंद था। जब मैं छोटा था, तब मैं उन्हें बहुत देखता था। मुझे लगता था कि वह एक अच्छे विकेटकीपर हैं।' मौजूदा विकेटकीपरों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'पंत की बात करूं तो आपको उन्हें खेलते हुए देखना पंसद आएगा ही। वह चाहे बल्लेबाजी कर रहे हों, या विकेटकीपिंग, आपको उन्हें देखना अच्छा लगेगा। इसलिए वह एक मनोरंजक खिलाड़ी हैं।' उन्होंने कहा, 'और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि वह कार दुर्घटना के बाद भी क्रिकेट भी खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ी जैमी स्मिथ इंग्लैंड के सर्वकालिक महानतम बल्लेबाज और विकेटकीपर बनेंगे क्योंकि उनमें बहुत हुनर है। आप उसे गिलक्रिस्ट की श्रेणी में रख सकते हैं।' पंत की विकेटकीपिंग में किसी कमी के बारे में पूछने पर रसेल ने कहा, 'वह गलतियां करेगा क्योंकि तकनीकी रूप से कुछ चीजें हैं जिन्हें दूर करने की जरूरत है। लेकिन वह शानदार प्रदर्शन करेगा और गलतियां भी करेगा। ज्यादातर विकेटकीपर गलतियां करते हैं। इंग्लैंड में विकेट लेना काफी मुश्किल है। इसलिए वह यहां परफेक्ट नहीं होगा, लेकिन उसकी बल्लेबाजी बहुत मजबूत है।' रसेल ने कहा, 'पर उसे विकेटकीपिंग में कुछ काम करने की जरूरत है, स्टंप तक खड़े होने में बस थोड़े-बहुत बदलाव करने होंगे। अगर वह मुझसे पूछेगा तो मैं उसे बता दूंगा। लेकिन ये छोटी चीजें हैं।'

'जब वह खेलते हैं तो टीम ज्यादा हारती है', चौथे टेस्ट से पहले पूर्व इंग्लैंड स्टार का बुमराह पर बड़ा बयान

लंदन (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह का कार्यभार टीम के लिए सिरदर्द बना हुआ है क्योंकि यह तेज गेंदबाज इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों में से एक से बाहर हो सकते हैं। वहीं इस चर्चा के बीच इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड का मानना है कि जब बुमराह प्लेइंग 11 का हिस्सा होते हैं तो भारत ज़्यादा मैच हारता है। इंग्लैंड लॉर्ड्स में करीबी जीत के बाद पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे है।

इंग्लैंड दौरे की शुरुआत से पहले भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पुष्टि की थी कि बुमराह इंग्लैंड में 5 में से दो मैचों में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि प्रबंधन और खिलाड़ी खुद जोखिम लेने के मूड में नहीं हैं। अब तक बुमराह ने तीन में से दो मैच खेले हैं, जिनमें से भारत हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में खेले गए दोनों मुकाबलों में हार गया। उनकी अनुपस्थिति में आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को एजबेस्टन में इंग्लैंड को हराने में मदद की।

पिछले हफ़्ते लॉर्ड्स में इंग्लैंड के हाथों भारत की 22 रनों से हार के बाद ऐसी खबरें आ रही थीं कि बुमराह को 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले मैच के लिए आराम दिया जा सकता है। हालांकि एक रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह के मैनचेस्टर में खेलने की संभावना है, क्योंकि भारत ओवल में होने वाले अंतिम मैच से पहले सीरीज बराबर करने के लिए बेताब है।

लॉयड ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट को बताया, 'उन्होंने यही कहा है और कोच गौतम गंभीर ने भी यही कहा है कि वह 5 में से तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। इसलिए उनके पास एक विकल्प है। अभी दो मैच बाकी हैं। वह दो मैच खेल चुके हैं। अगर वे अपनी बात पर खरे उतरते हैं, तो उन्हें ओल्ड ट्रैफर्ड में अगला मैच खेलना चाहिए। लेकिन फिर आप जानते हैं, वे इसे बदल सकते हैं, है ना? अगर वह ओल्ड ट्रैफर्ड में अगला मैच खेलते हैं और वे 2-2 से बराबरी कर लेते हैं, तो आप सोचेंगे कि वह ओवल में भी खेलेंगे। मैं अभी कुछ और अनुमान लगा रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि वह अगला मैच खेलेंगे और देखेंगे कि वे कहां हैं। अगर इंग्लैंड 3-1 से हार जाता है, तो वह नहीं खेलेंगे। लेकिन अगर 2-2 का स्कोर होता है, तो वह ओवल में खेलेंगे।'

लॉयड ने बुमराह पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जब वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होते हैं तो भारत ज़्यादा मैच हारता है। उन्होंने आगे कहा, 'यह असाधारण है। ऐसा कहा जाता था कि जब वह खेलते हैं तो टीम ज़्यादा हारती है, बजाय इसके कि जब वह नहीं खेलते और वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक

हैं। उनका एक्शन अजीब और खराब है, लेकिन वह पूरी तरह से अच्छे गेंदबाज हैं।' 2018 में अपने पदार्पण के बाद से बुमराह ने 47 टेस्ट मैच खेले हैं और उनमें टीम का जीत-हार का रिकॉर्ड 20-23 है।

रिद्धिमान साहा देंगे खिलाड़ियों को कोचिंग, यह राज्य मुख्य कोच बनाने की तैयारी में

नई दिल्ली। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास लेने के छह महीने बाद भारत के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक रिद्धिमान साहा कोचिंग के क्षेत्र में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं क्योंकि बंगाल क्रिकेट संघ (CAB) ने उन्हें अंडर-23 राज्य टीम का मुख्य कोच नियुक्त करने में दिलचस्पी दिखाई है। इस 40 वर्षीय ने इस साल जनवरी में रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लीग चरण अभियान के अंत में प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ऐसा माना जा रहा है कि बंगाल के पूर्व कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला सीनियर टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे जबकि पूर्व ऑफ स्पिनर सौरभ लाहिड़ी अंडर-19 टीम के कोच होंगे। CAB के एक वरिष्ठ सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'CAB के अधिकारी अगले हफ्ते तक विभिन्न टीमों के लिए सभी उम्मीदवारों पर फैसला कर लेंगे। निश्चित रूप से रिद्धिमान से बात हो चुकी है और अगले हफ्ते अंतिम फैसला लिया जाएगा। सौरव गांगुली और पंकज रॉय के अलावा वह 40 टेस्ट के साथ बंगाल का बड़ा नाम हैं।' उन्होंने कहा, 'इतने लंबे समय तक शीर्ष स्तर का क्रिकेट खेलने का उनका अनुभव बंगाल क्रिकेट की अगली पीढ़ी के लिए फायदेमंद साबित होगा। रिद्धिमान पहले से ही कई कोचिंग सेंटर चलाते हैं और वह जूनियर खिलाड़ियों के लिए एक बेहद अनुभवी कोच रहे हैं। वह कोचिंग के प्रति जुनूनी हैं। उम्मीद है कि वह इसके लिए तैयार होंगे।'

बॉर्डर 2 की शूटिंग को लेकर उत्साहित दिखे सुनील शेट्टी के बेटे अहान

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 में नजर आने वाले हैं। अभी इस फिल्म की शूटिंग हो रही है। ऐसे में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम के जरिए बताया है कि पुणे में इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अहान शेट्टी वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं।

अहान ने पुणे में पूरी की शूटिंग

शुक्रवार को अहान शेट्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर बताया है कि उन्होंने पुणे में अपनी शूटिंग कंप्लीट कर ली है। अहान ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इसके कैप्शन में लिखा है और क्या है यह बॉर्डर? बस एक फौजी और उसके भाई हैं। पुणे में यह कार्यक्रम समाप्त हुआ अब अगले कार्यक्रम पर चलते हैं।

वरुण धवन ने अहान के साथ चाय पी

इससे एक दिन पहले वरुण धवन ने भी बताया था कि पुणे में उन्होंने एनडीए की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अहान शेट्टी के साथ चाय और बिस्कुट खा रहे थे। वीडियो क्लिप शेयर करते हुए वरुण धवन ने लिखा बॉर्डर 2 चाय और बिस्कुट। एनडीए में शूटिंग पूरी हो गई है। हमने बिस्कुट के साथ सेलेब्रेट किया है।

पिता की तरह बनना चाहते हैं अहान

कुछ दिनों पहले अहान शेट्टी ने बॉर्डर 2 से जुड़ने के अपने सफर के बारे में बताया। उन्होंने कहा वह अपने पिता की तरह बनना चाहते थे जो बॉर्डर (1997) में नजर आए थे। उन्होंने अपने पिता और अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा हर बेटा कहीं न कहीं अपने बाप जैसा बनना चाहता है। बॉर्डर 2 – 23 जनवरी 2026।

फिल्म के बारे में

आपको बता दें कि बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। फिल्म में भारतीय सेना की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

शिल्पा शेट्टी का मॉलीवुड में काम ना करने की वजह का खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को कन्नड़ मूवी केडी– द डेविल में देखा जाएगा। उन्होंने खुलासा किया कि मलयालम सिनेमा की फैन होने के बावजूद उन्होंने कभी इसमें काम क्यों नहीं किया! उन्होंने केडी.. के टीजर लॉन्च के मौके पर अपनी हिचकिचाहट के बारे में खुलासा किया। शिल्पा शेट्टी ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने खुलासा किया कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से प्रोड्यूसर्स के कई ऑफर्स भी मिले। शिल्पा ने कहा, मैंने कभी उन्हें हां नहीं कहा, क्योंकि मैं डरी हुई थी।

मलयालम सिनेमा से है प्यार

शिल्पा ने बताया कि मलयालम सिनेमा के लिए उनके दिल में बहुत प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे मलयालम सिनेमा बहुत पसंद है और मैं इस बात से हैरान हूं कि ये इंडस्ट्री भावनाओं को कैसे पेश करती है। उन्होंने ये भी बताया कि मलयालम फिल्मों में कहानी और एक्टिंग एक अलग ही लेवल पर होते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे कभी यकीन नहीं हुआ कि अगर मैं इस इंडस्ट्री में काम करूंगी तो अपने किरदार के साथ न्याय कर पाऊंगी। लेकिन देखते हैं, शायद मैं एक दिन कोई मलयालम फिल्म करूंगी।

मोहनलाल संग करना चाहती हैं काम

जब शिल्पा से पूछा गया कि क्या मलयालम इंडस्ट्री में कोई एक्टर है, जिसके साथ वो काम करना चाहेंगी तो उन्होंने मोहनलाल का नाम लिया। उन्होंने कहा, वो शानदार हैं। इतने साल बाद भी वैसे ही दिखते हैं। वो इंडियन सिनेमा के सबसे अमेजिंग एक्टर्स में से एक हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उनकी पसंदीदा फिल्म नोक्केथाधूराथु कन्नुम नट्टू है।

फिल्म की कास्ट

केडी – द डेविल की बात करें तो इसका निर्देशन प्रेम कर रहे हैं। ध्रुव सरजा की एक्शन से भरपूर इस फिल्म में संजय दत्त, रेशमा नानैया, वी रविचंद्रन और रमेश अरविंद भी हैं।

ऋषभ शेट्टी के साथ सम्राट कृष्णदेवराय पर फिल्म बनाएंगे आशुतोष गोवारिकर

फिल्म कांतारा से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाले ऋषभ शेट्टी ने एक रोमांचक फिल्म साइन की है। खबरों के अनुसार वे बॉलीवुड के दिग्गज निर्माता-निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ काम करेंगे। यह फिल्म व्यापक स्तर पर बनाई जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक आशुतोष गोवारिकर और ऋषभ शेट्टी विजयनगर सम्राट कृष्णदेवराय पर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म के जरिए सम्राट कृष्णदेवराय के जीवन की झलक को परदे पर दिखाएंगे। यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण एनटीआर बायोपिक, जयललिता बायोपिक और कपिल देव बायोपिक बनाने वाले प्रसिद्ध टॉलीवुड निर्माता विष्णु वर्धन इंदुरी करेंगे।

साउथ और बॉलीवुड के सितारे बनेंगे फिल्म का हिस्सा

आशुतोष गोवारिकर को लगान, स्वदेश और जोधा अकबर जैसी क्लासिक फिल्मों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा उन्होंने मोहनजोदड़ो और पानीपत जैसी ऐतिहासिक फिल्में बनाने के लिए भी जाना जाता है। वह श्री कृष्णदेवराय की बायोपिक को बड़े पैमाने पर बनाने के लिए उत्साहित हैं। इस फिल्म में कई दक्षिण भारतीय और बॉलीवुड सितारे अहम किरदार अदा करते दिखेंगे।

इन फिल्मों में नजर आएंगे ऋषभ शेट्टी

इस फिल्म को लेकर अभी और अपडेट सामने आना बाकी है। बात करें ऋषभ शेट्टी की तो वे फिल्म कांतारा 2 की तैयारियों में व्यस्त हैं। फिल्म कांतारा साल 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इस फिल्म का निर्देशन भी खुद ऋषभ शेट्टी ने किया। इसके अलावा ऋषभ फिल्म जय हनुमान में भी नजर आएंगे। फिल्म जय हनुमान का निर्देशन प्रशांत वर्मा कर रहे हैं।

मैंने धुरंधर जैसी फिल्म पहले कभी नहीं देखी

अभिनेता अर्जुन रामपाल अपनी आने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने फिल्म के फर्स्ट लुक को मिल रही प्रतिक्रिया पर खुशी जाहिर की और कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की किसी भी फिल्म से बिल्कुल अलग है। अभिनेता ने कहा कि ऐसी फिल्म उन्होंने पहले कभी नहीं देखी। अर्जुन ने कहा, फिल्म को बनाने से पहले मेकर्स ने काफी रिसर्च किया है। इसे बेहद अलग अंदाज में बनाया गया है। फिल्म की पूरी टीम ने अपने–अपने काम में पूरी मेहनत की है। फिल्म के फर्स्ट लुक को मिल रही प्रतिक्रिया को देखने के बाद मैंने निर्देशक आदित्य धर को गले लगा लिया। फिल्म में अर्जुन के अलावा रणवीर सिंह, आर माधवन, संजय दत्त और अक्षय खन्ना भी अहम किरदार में हैं। अर्जुन ने इस फिल्म में एक ग्रे किरदार निभाया है। ग्रे किरदार उन्हें कहते हैं जो पूरी तरह से अच्छे या बुरे नहीं होते। उनमें दोनों तरह के गुण शामिल होते हैं। अर्जुन ने कहा, फिल्म में मेरे किरदार में थोड़ा गुस्सा और सही–गलत का मिलाजुला भाव होगा, जो दर्शकों के लिए बिलकुल नया और अनोखा होगा। धुरंधर फिल्म को आदित्य धर ने न सिर्फ निर्देशित किया है, बल्कि इसकी कहानी को लिखा भी है। यही नहीं, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर के साथ मिलकर प्रोड्यूस भी किया है।

बींदणी में मेरा किरदार बाहर से सख्त और अंदर से नर्म दिल वाला है

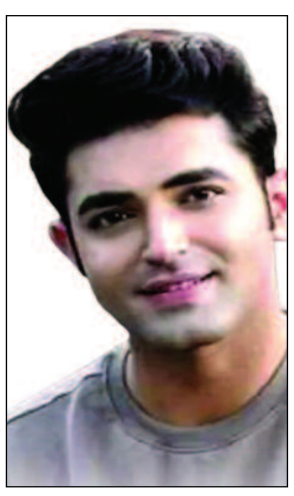

आगामी टीवी शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी – बींदणी में एक्टर आकाश जग्गा शामिल हो गए हैं। इसकी घोषणा शो के मेकर्स ने की। वह सीरियल में लीड किरदार निभाते नजर आएंगे। वह कुंदन नाम के लड़के का किरदार निभाएंगे, जो अंदर से बहुत भावुक है, लेकिन बाहर से सख्त दिखाई देता है। प्रथाओं की ओढ़े चुनरी ~ बींदणी एक महिला के अपने अस्तित्व को खोजने और साहस के साथ संघर्ष करने की कहानी है। शो का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर करते हुए आकाश जग्गा ने कहा, मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे सन नियो चैनल के शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी~ बींदणी में लीड रोल मिला है। कुंदन का किरदार बहुत ही गहराई वाला है, उसमें कई भावनात्मक परतें हैं। मुझे यकीन है कि जिस तरह मैं इस किरदार से जुड़ाव महसूस करता हूं, उसी तरह दर्शक भी इससे जुड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा, जब लेखक और प्रोड्यूसर रघुवीर शेखावत सर ने मुझसे कहा, तुम्हें इस रोल को निभाने में मजा आएगा, इसमें बहुत कुछ करने को है, उनकी ये बात मेरे दिल को छू गई।

यादगार नहीं रहा शनाया का डेब्यू, बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी 'आंखों की गुस्ताखियां'

स्टारकिड शनाया कपूर का बॉलीवुड डेब्यू वैसा नहीं रहा, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। उनकी डेब्यू फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' शुरुआती तीन दिनों में ही बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी है। बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 30 लाख रुपये से अपना खाता खोलने वाली 'आंखों की गुस्ताखियां' बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती दिख रही है। फिल्म को वीकेंड का भी कोई लाभ नहीं मिला और शनिवार को जहां फिल्म ने सिर्फ 49 लाख रुपए का कलेक्शन किया। वहीं संडे को छुट्टी वाले दिन फिल्म की कमाई एक बार फिर घट गई। रविवार को अपने तीसरे दिन फिल्म सिर्फ 41 लाख ही जुटा पाई। इस तरह से शुरुआती तीन दिनों में 'आंखों की गुस्ताखियां' का कुल कलेक्शन सिर्फ 1.2 करोड़ रुपये ही हो पाया है। 'आंखों की गुस्ताखियां' का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव की 'मालिक' और हॉलीवुड फिल्म 'सुपरमैन' से है। 'आंखों की गुस्ताखियां' की हालत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक भी दिन करोड़ में कमाई नहीं कर पाई है।

जहराक बनकर स्क्रीन पर तबाही मचाएंगे करण वीर मेहरा

बॉलीवुड में जब भी किसी खतरनाक विलेन की बात होती है तो दर्शक कुछ डरावना देखने की उम्मीद करते हैं। बस इसी को ध्यान में रखते हुए करण वीर मेहरा अपनी नई फिल्म में विलेन की भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। जी हां, उनकी आने वाली फिल्म 'सिला' में उनके खलनायक अवतार 'जहराक' की पहली झलक सामने आई है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

सिला में विलेन की भूमिका

निर्देशक ओमंग कुमार, जो 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' जैसी सशक्त फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब 'सिला' नाम की एक रोमांटिक–एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में लीड रोल में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब दिखाई देंगे, लेकिन जो सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है, वो है करण वीर मेहरा का खतरनाक और आक्रामक विलेन लुक। करणरी ने अपने इस लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जो अब फैंस को काफी पसंद आ रहा है। साथ ही ये ऐसा लुक है जिससे करणवीर बिल्कुल भी पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। जब इंसाफ भी खुद और सजा भी!

करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना लुक शेयर करते हुए लिखा – खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ! करणवीर की इस एक लाइन ने फैंस को उनके किरदार की गहराई और भयावहता का अंदाजा दे दिया है। पोस्टर में करण वीर लहूलुहान शरीर, लंबे उलझे बालों और हाथ में तलवार लिए युद्ध के लिए तैयार दिख रहे हैं। उनकी आंखों की आग और शरीर पर खून के धब्बों ने उन्हें एक क्रूर योद्धा के रूप में दिखाया है।

कहानी में ट्विस्ट लाने आ रहा है जहराक करण वीर का किरदार 'जहराक' फिल्म में काफी 'खतरनाक', इंटेंस' और 'डरावना' बताया जा रहा है। उनके लुक पर कई फैंस ने भी कमेंट किया है। उनके फैंस को लुक पसंद आया है। कई लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्हें फिल्म के आने का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की कहानी समीर जोशी ने लिखी है, जबकि डायलॉग्स आरंभ एम. सिंह ने तैयार किए हैं। संगीत की जिम्मेदारी अंकित तिवारी, सचेत–परंपरा, श्रेयस पुराणिक और एलेक्सिया एवलिन जैसे प्रतिभाशाली संगीतकारों के पास है। ये टीम पहले ही कई हिट गाने दे चुकी है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

तीन चीजों पर काम कर रही हैं करिश्मा तन्ना

करिश्मा तन्ना ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है वह तीन चीजों पर काम कर रही है। अपने ऊपर, अपनी जिंदगी पर और अपने सुकून पर। करिश्मा तन्ना की तस्वीरों को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं।
एक यूजर ने लिखा है आपकी खूबसूरती का तोड़ नहीं। एक और यूजर ने लिखा है खूबसूरती की असली परिभाषा। करिश्मा तन्ना ने साल 2001 में टीवी सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी से अभिनय करियर की शुरुआत की। वह साल 2021 में बॉलीवुड फिल्म लाहौर कॉन्फिडेंशियल में नजर आईं थीं। वह बाल वीर, एफआईआर और नागिन 3 जैसे टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।